PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 244 ● भिलाई, मंगलवार 07 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

23 साल बाद सलाखों के पीछे पहुंचे पूर्व सीएम के बेटे

## बिलासपुर हाईकोर्ट ने अमित जोगी को सुनाई उम्रकैद की सजा

बिलासपुर/ संवाददाता

2003 के चर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो की अपील स्वीकार कर ली। इसके तहत पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बरी करने का ट्रायल कोर्ट का फैसला पलट दिया गया। अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत दोषी ठहराया गया है। उन्हें आज आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त छह माह के सश्रम कारावास की सजा दी जाएगी। हाईकोर्ट का यह निर्णय 31 मई 2007 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पूरी तरह से पलट देता है। उस समय स्पेशल जज रायपुर ने अमित जोगी को बरी कर दिया था। हालांकि, चिमन सिंह, याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी सहित अन्य 28 आरोपियों को सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक ही गवाही पर कुछ आरोपियों को दोषी ठहराना और मुख्य साजिशकर्ता को बरी करना कानूनी रूप से असंगत और गलत है। यह फैसला 2003 के चर्चित हत्याकांड में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले को दोबारा खोला गया था। इसके बाद ही हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी।



हाईकोर्ट ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए अपना निर्णय दिया। यह फैसला न्याय प्रणाली में समानता और निष्पक्षता के महत्व को दर्शाता है। अदालत ने एक ही साक्ष्य के आधार पर अलग-अलग निर्णय को असंगत बताया। इस निर्णय से 2003 के चर्चित हत्याकांड में न्याय की उम्मीदें बढ़ी हैं। अमित जोगी को अब आजीवन कारावास की सजा भुगतनी होगी। बता दें, कि पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के बेटे अमित जोगी 2003 के राम अवतार जग्गी हत्याकांड में सजा सुनाई गई है। साल 2007 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन सीबीआई और शिकायतकर्ता ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। नवंबर 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई की अपील को तकनीकी आधार पर खारिज करने के बाद पुन: बहाल कर दिया था। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बड़ा झटका लगा है। जग्गी हत्याकांड मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अमित जोगी को तीन सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है। यह फैसला हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। अदालत के आदेश के मुताबिक जोगी को तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करना होगा। विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर अमित जोगी पर भी चार्ज भी लगाए गए थे और आज अंतिम सुनवाई के बाद उन्हें दोषी माना गया है।

### सीएम साय ने फैसले को बताया स्वागत योग्य,कहा-देर आए दुरुस्त आए

रायपुर: रामअवतार जग्गी हत्याकांड मामले में अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हाईकोर्ट के इस फैसले को स्वागत योग्य बताया. कहा कि अमित जोगी जग्गी हत्याकांड मामले के मुख्य आरोपी थे. देर आए दुरुस्त आए. रामअवतार जग्गी हत्याकांड छत्तीसगढ़ का एक बहुचर्चित मामला है, जो करीब 20 साल पुराना है. 4 जून 2003 को एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने 31 लोगों को आरोपी बनाया था. बाद में बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे. अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को दोषी करार दिया गया था. अमित जोगी को बरी किए जाने के खिलाफ रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी.

### संक्षिप्त समाचार

#### दिल्ली में टॉय कार से ब्लास्ट की कर रहे थे प्लानिंग

नईदिल्ली। मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मिलकर बड़ा ज्वाइंट ऑपरेशन किया है। उन्होंने मोसाब अहमद उर्फ कलाम और मोहम्मद हमाद कालरा को पकड़ लिया है। ये दोनों संदिग्ध आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं। दोनों को हिरासत में लिया गया है। ये दोनों दिल्ली में टॉय कार से ब्लास्ट की प्लानिंग कर रहे थे। गनीमत रही कि उससे पहले ही पकड़ लिए गए। महाराष्ट्र एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के ज्वाइंट ऑपरेशन में कुर्ला और कडवली से दोनों संदिग्धों मोसाब और हमाद को हिरासत में लिया गया है। इन दोनों को आगे की कार्रवाई के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। दिल्ली लाकर इनको कोर्ट में पेश करके रिमांड ली जाएगी और फिर दोनों से पूछताछ की जाएगी। राहत की बात ये है कि आतंक की बड़ी साजिश को नाकामयाब कर दिया गया है। मोसाब और हमाद, दिल्ली को एक बार फिर दहलाने की साजिश रच रहे थे। दोनों ऑनलाइन माध्यम से रेडिक्लाइज हुए थे। आरोप के मुताबिक, जैश के कहने पर भारत में काम कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, मोसाब और हमाद के पास से कुछ संवेदनशील चीजें भी पुलिस टीम ने बरामद की हैं। जांच एजेंसियों को यह आशंका है कि आरोपियों का ब्रेनवॉश हो चुका है। इस मामले में आगे की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल करेगी। मुंबई में पुलिस दोनों को हैंडओवर कर चुकी है।

#### बरेली में दर्दनाक हादसा, खड़े टैंकर में पीछे से जा घुसी बोलेरो

बरेली। यूपी के बरेली जिले से सामने आ रही है। यहां सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधोली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक तेज रफ्तार बोलेरो, सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। वहीं हादसे के बाद शवों को निकालने के लिए बोलेरो को काटना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस मामले में घायलों का प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

एलपीजी किल्लत पर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा

## चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं,शहर छोड़ो अब गांव भागो-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर में एलपीजी संकट (रसोई गैस की किल्लत) ने आम लोगों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। इस संकट पर कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए पीएम मोदी के बयान पर हमला किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार ने इस समस्या को कोविड जैसी रणनीति से निपटने की योजना बनाई थी, जो पूरी तरह से विफल साबित हुई। सोमवार, 6 अप्रैल 2026 को राहुल गांधीने अपने अकाउंट पर ट्वीट करते हुए कहा, मोदी जी ने कहा था एलपीजी गैस संकट को कोविड की



तरह हैंडल करेंगे। और सच में वही किया, बिल्कुल कोविड जैसे ही नीति शून्य, घोषणा बड़ी, और बोझ गरीबों पर। राहुल गांधीने कहा कि ?500-800 की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मज़दूर अब रसोई गैस की कीमतों के कारण इसे अफोर्ड नहीं कर पा रहे हैं। रात को घर लौटते मज़दूरों के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं। नतीजा शहर छोड़ो, गांव भागो, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा कि जो मज़दूर टेक्सटाइल मिल्स और फैक्ट्रीज़ की रीढ़ हैं, वही आज टूट रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर पहले से आईसीयू में है, मैन्युफैक्चरिंग दम तोड़ रही है, और यह संकट कूटनीति की मेज़ पर हुई उस चूक के कारण आया है। जिसे सरकार आज तक स्वीकार नहीं करती। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि जब अहंकार नीति बन जाता है, तो अर्थव्यवस्था चरमराती है, मज़दूर पलायन करते हैं, उद्योग बर्बाद होते हैं और देश दशकों पीछे धकेल दिया जाता है।

### सीएम ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास संदिग्ध ड्रोन उड़ाने मामले में तीन गिरफ्तार

माल्दा। जिले के सामसी इलाके में तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी की चुनावी सभा के दौरान एक गंभीर सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के सामने अचानक ड्रोन उड़ने से सभा स्थल पर हड़कंप मच गया। इस घटना में शामिल तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के नाम अंकित कुमार पासवान, श्रीकांत मंडल और नूर अख्तर है, जो बिहार के कटिहार जिले के निवासी बताए जा रहे है। बताया जा रहा है कि शनिवार को सभा खत्म होने के बाद जब मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर में सवार हो रही थी, तभी उनके बेहद करीब एक ड्रोन उड़ता हुआ देखा गया।

इजरायली स्ट्राइक में ईरान का खुफिया तंत्र ध्वस्त!

## चीफ माजिद खादेमी की हुई मौत अब क्या करेगा तेहरान

नई दिल्ली/ एजेंसी

मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष के बीच ईरान को अब तक का सबसे बड़ा रक्षा और खुफिया झटका लगा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने आधिकारिक तौर पर अपने इंटेलिजेंस संगठन के प्रमुख, माजिद खादेमी की मौत की पुष्टि कर दी है। खादेमी की मौत उस समय हुई है जब ईरान अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है और उसका शीर्ष नेतृत्व विदेशी हमलों का निशाना बन रहा है। सैन्य अधिकारी नहीं थे बल्कि वे ईरानी खुफिया तंत्र की रीढ़ माने जाते थे। आईआरजीसी



द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि खादेमी ने इस्लामिक गणराज्य की रक्षा में लगभग आधी सदी (50 साल) तक अपनी सेवाएं दीं। उन्हें विदेशी दुश्मनों की घुसपैठ और जासूसी की साजिशों को नाकाम करने के लिए याद किया जाता है। आईआरजीसी ने उनके रिकॉर्ड को आने वाली पीढ़ियों के लिए 'स्थायी और शिक्षाप्रद' बताया है। उनकी मौत ईरान के लिए न केवल एक व्यक्ति का नुकसान है बल्कि उसके खुफिया नेटवर्क में एक बड़ा शून्य पैदा होने जैसा है। खादेमी की मौत उस व्यापक सैन्य अभियान का हिस्सा है जिसे अमेरिका-इजरायल ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का नाम दिया है। 28 फरवरी 2026 को शुरू हुए इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य ईरान के 'सत्ता के शीर्ष' को हटाना था। इस रणनीति के तहत ईरानी नेतृत्व के ठिकानों, मिसाइल केंद्रों और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की मुख्य सुविधाओं को निशाना बनाया गया।

1,270 करोड़ के भ्रष्टाचार का मामला

## भाजपा के सीएम पेमा खांडू पर गिरी गाज....

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में सार्वजनिक कार्यों के ठेके मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिवार से जुड़ी कथित कंपनियों को दिए जाने के मामले में सीबीआई जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय जांच एजेंसी को जांच करने का निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई को 2 हफ्ते के अंदर जांच शुरू करने के लिए कहा है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह इस मामले में 16 सप्ताह में अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करें। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने सीबीआई को सख्त निर्देश देते हुए



कहा कि आदेश के तहत राज्य में 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक सार्वजनिक कार्यों, ठेकों और कार्य आदेशों के आवंटन और उनके कामों की जांच की जाए। जस्टिस नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा कि सीबीआई इस निर्णय की तारीख से दो सप्ताह में शुरुआती जांच (पीई) दर्ज करेगी।

### महाराष्ट्र पुलिस ने लॉन्च किया एमडीए ऐप, तटरेखा पर छोटी नावों पर रखेगी नजर

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने भारतीय नौसेना और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के सहयोग से तटीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मरीन डोमेन अवेयरनेस नामक एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसकी मदद से पालघर से सिंधुदुर्ग तक राज्य के तटवर्ती क्षेत्र में संदिग्ध नावों पर नजर रखी जा सकेगी। इस पहल का उद्देश्य मौजूदा निगरानी प्रणाली की गंभीर कमियों को दूर करना है, जो ऑटोमेटिक पहचान प्रणाली पर काफी हद तक निर्भर करती है। एआईएस बड़े वाणिज्यिक जहाजों पर प्रभावी ढंग से नजर रखती है, लेकिन मछली पकड़ने वाली और यात्री नावों जैसे छोटे जहाजों की निगरानी करने में असमर्थ है।

नर्क' से पहले ईरान में तबाही!

## ट्रंप की डेडलाइन के बीच इजरायल का हमला धमाकों से दहला ईरान का बड़ा गैस प्लांट...

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी भीषण तनाव के बीच इजरायल ने ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने के लिए उसके सबसे बड़े ऊर्जा केंद्र 'साउथ पार्स' पर विध्वंसक हमला किया है। यह हमला सोमवार (6 अप्रैल) को उस समय हुआ जब अमेरिका द्वारा दी गई सीजफायर की समयसीमा समाप्त होने में महज कुछ घंटे शेष थे। इस हमले के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और कूटनीतिक हलकों में भविष्य के खतरों को लेकर चिंता गहरा गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को मंगलवार (7 अप्रैल) तक का अल्टीमेटम दिया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया के



माध्यम से चेतावनी दी थी कि यदि तय समय तक समझौता नहीं होता है तो वह ईरान में 'सब कुछ उड़ा देंगे'। हालांकि, इस डेडलाइन के खत्म होने से पहले ही इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिण ईरान के असलुयेह में स्थित साउथ पार्स पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ बमबारी शुरू कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के दौरान प्लांट परिसर में एक के बाद एक कई भीषण विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। युद्ध को रोकने के लिए मिस्र, तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों द्वारा मध्यस्थता की अंतिम कोशिशें की जा रही थीं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, इस समझौते के तहत पहले एक अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव रखा गया था लेकिन ईरान इससे सहमत नहीं हुआ। ईरान की मांग है कि पूर्ण युद्धविराम की घोषणा की जाए और बातचीत उसकी अपनी शर्तों पर हो। गौरतलब है कि अमेरिका की ओर से इन वार्ताओं का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं। साउथ पार्स गैसफील्ड को ईरान का सबसे महत्वपूर्ण तेल और ऊर्जा संयंत्र माना जाता है। यह दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस फील्ड है।

स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान को नमन किया

## भाजपा स्थापना दिवस पर मोदी ने बताया आगे का प्लान यूसीसी और एक देश-एक चुनाव होगा अगला मिशन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल और कांग्रेस के शासनकाल के दमन से लेकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राजनीतिक हिंसा तक हर तरह की कठिनाइयों का सामना किया है, ताकि पार्टी को मजबूत किया जा सके और राष्ट्र की सेवा की जा सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए भाजपा ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे। पीएम मोदी ने कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का



निर्माण ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव ऐसे सभी विषयों पर आज देश में एक गंभीर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, भाजपा के कार्यकर्ता जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने में कभी पीछे नहीं हटते। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि वे जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं, उससे भारत का भविष्य बेहतर होगा। यही कारण है कि कार्यकर्ताओं ने हर कठिनाई झेली, चाहे वह आपातकाल हो या कांग्रेस के शासन का दमन। कई कार्यकर्ताओं ने तो अपना जीवन भी बलिदान कर दिया। हमने पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में देखा है, जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक संघर्ष के शुरुआती वर्षों को याद करते हुए कहा, हम 1984 का वह समय नहीं भूल सकते जब कांग्रेस ने रिकॉर्ड संख्या में सीटें जीती थीं, लेकिन भारत ने यह भी देखा कि उन्होंने लोगों को कैसे धोखा दिया। इससे लोगों का विश्वास भाजपा में बढ़ा और धीरे-धीरे हमने सीटें जीतना शुरू किया। उन्होंने भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने वाले वैचारिक अंतर पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, उस समय दो विचारधाराएं अस्तित्व में आईं। एक सत्ता-संचालित राजनीति थी, और दूसरी सेवा-संचालित राजनीति। इसके साथ ही पीएम मोदी ने भाजपा द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्राप्त प्रेरणा पर भी प्रकाश डाला।

बंगाल में फिर ममता सरकार!

## ताजा सर्वे ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक माहौल तेजी से गरमा गया है और इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प होने की संभावना जताई जा रही है। मैटराइज के ताजा ओपिनियन पोल ने राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। सर्वे के अनुसार ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी को 43 फीसदी जबकि भारतीय जनता पार्टी को 42 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। वहीं अन्य दलों को 16 फीसदी वोट मिल सकते हैं। आंकड़े बताते हैं कि राज्य की



294 सीटों पर इस बार कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। सीटों के अनुमान के मुताबिक टीएमसी को 140-160 सीटें, बीजेपी को 130-150 सीटें और अन्य को 8-16 सीटें मिलने की संभावना है ।

# कवर्धा में चौपाटी और समनापुर रोड निर्माण में देरी पर सख्ती 15 दिन में दिखे प्रगति, वरना नोटिस, ब्लैकलिस्टिंग तय



**कवर्धा।** शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की सुस्त रफ्तार अब सीधे प्रशासनिक कार्रवाई की जद में आ गई है। विशेषकर चौपाटी निर्माण और समनापुर रोड के कार्य में हो रही देरी पर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ संकेत दे दिए है कि अब ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में इंजीनियरों, अधिकारियों और ठेकेदारों को दो टूक शब्दों में कहा गया कि 15-15 दिन का लक्ष्य तय कर काम करें, अन्यथा नोटिस और ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई के लिए तैयार रहें। नगर पालिका सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधोसंरचना मद, 15वें वित्त आयोग, विधायक निधि, डीएमएफ समग्र शिक्षा, आंगनबाड़ी भवन, नालंदा परिसर, निकाय मद और अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की गहन समीक्षा की गई। प्रगतिरत और अप्रारंभ कार्यों की स्थिति सामने आने पर नाराजगी व्यक्त की गई। स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अब कार्यों में देरी की कोई गुंजाइश नहीं होगी। चौपाटी निर्माण कार्य की धीमी गति पर विशेष रूप से सवाल उठाए गए। इसे शहर की प्रमुख परियोजना बताते हुए शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं अंबेडकर चौक से राजमहल चौक होते हुए समनापुर पुल-पुलिया, बीटी रोड और नाली निर्माण सहित समनापुर रोड के कार्य में भी तेजी लाने को कहा गया। जहां-जहां कार्य लंबित है या रिक्त स्थान पड़े है, वहां तत्काल काम प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। लोहारा बाईपास से नवीन बाजार तक गौरव पथ निर्माण की भी समीक्षा की गई और गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को चेताया गया कि समय पर डिजाइन और लेआउट उपलब्ध न कराने की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाएगी। इंजीनियरों को प्रतिदिन फील्ड में जाकर निरीक्षण करने और वास्तविक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। ठेकेदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय में काम शुरू नहीं किया गया या प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, तो पहले कारण बताओ नोटिस जारी होगा और सुधार न होने पर ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई की जाएगी। गर्मी के मौसम को निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल बताते हुए इसका पूरा लाभ उठाने को कहा गया। विधायक निधि से स्वीकृत शौचालय, आंगनबाड़ी मंच, सामुदायिक भवन सहित अन्य छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने का निर्देश दिया गया। बूढ़ा महादेव मंदिर क्षेत्र में निर्माणाधीन डोम, नालंदा परिसर और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स फेस-1 की समय-सीमा तय कर कार्य पूर्ण करने तथा फेस-2 की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि परियोजनाएं अधर में न लटके। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान कम स्वीकृति और धीमी निर्माण प्रगति पर असंतोष जताया गया। जिन हितग्राहियों के खातों में राशि जारी हो चुकी है, उनके आवास निर्माण को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। पात्र व्यक्तियों का सत्यापन कर उन्हें योजना से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन के इस कड़े रुख के बाद अब यह स्पष्ट है कि कवर्धा में निर्माण कार्यों की सुस्ती पर अंकुश लगेगा। आने वाले 15 दिनों में प्रगति नहीं दिखी तो कार्रवाई तय मानी जा रही है।

# पेपर हाल में उत्तर पुस्तिका में अपने जगह पर दूसरे से पेपर लिखवाने वाले आरोपी गिरफ्तार



**बेमेतरा।** आपराधिक षड्यंत्र पूर्वक धोखाधड़ी कर परीक्षा हाल में अपने स्थान पर दुसरे से प्रश्न पेपर का उत्तर पुस्तिका लिखवाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रार्थी अजय कुमार दुबे उम्र 48 वर्ष, निवासी शासकीय उच्च.मा.वि. घुरसेना थाना नांदघाट जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल रायपुर परीक्षा वर्ष 2026 में शासकीय उच्च.मा.वि. ग्राम टेमरी स्कूल केन्द्र में ओपन परीक्षा वर्ष 2026 हेतु केन्द्र अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कि आरोपी आशीष कुमार कुर्रे उम्र 20 वर्ष एवं विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा आपराधिक षड्यंत्र पूर्वक धोखाधड़ी कर स्कूल के कक्ष में बैठकर कक्षा 10 वी सामाजिक विज्ञान की परीक्षा पेपर में उत्तर पुस्तिका लिखवा रहा था कि रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा 318 (4), 319 (2) ,61(2), 3(5) बीएनएस, छ.ग. मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा 3(घ)(2),4 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आपराधिक षड्यंत्र पूर्वक धोखाधड़ी कर परीक्षा पेपर में उत्तर पुस्तिका लिखवाने के मामले में आरोपी आशीष कुमार कुर्रे उम्र 20 वर्ष, चौकी मारो थाना नांदघाट जिला बेमेतरा को विधिवत गिरफ्तार किया गया। जिसमें एक विधि से संघर्षरत बालक भी शामिल हैं। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवारी,विजय शुक्ला, आरक्षक मिथुन चंद्रवंशी, संजय साहू, प्रताप यादव, लालचंद भारती, आकाश राजपूत, अजय गोयल, सतीश वर्मा, महेंद्र वर्मा सहित थाना नांदघाट के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

# बागेश्वर धाम सरकार से जनसेवक शिवम लिए आशीर्वाद

**बेमेतरा।** कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम छुरछुप-बांकीमोंगरा में श्री बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से चल रहे श्री हनुमत कथा कार्यक्रम में बेमेतरा के जनसेवक एवं भाजपा कार्यकर्ता शिवम तिवारी ने सौजन्य मुलाकात कर आशीर्वाद लिया वही बेमेतरा के माता भद्रकाली मन्दिर के तैल चित्र भेंट किया। कथा के दौरान हनुमान जी के विभिन्न कथा श्रवण करने का अवसर मिला एवं हनुमान जी के बाल कथाओं से जनसैलाब के मन्त्र मुग्ध हों गया। कार्यक्रम के दौरान 108 दिव्यांग एवं निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह कार्यक्रम भी संपन्न हुए।

# कलेक्टरेट परिसर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

**बेमेतरा।** हनुमान जयंती के पावन अवसर पर कलेक्टरेट परिसर स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश एवं जिले के नागरिकों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में कलेक्टरेट परिसर के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दीं। हनुमान जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भी विशेष पूजा-पाठ, सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे जिले में भक्ति एवं आस्था का वातावरण बना रहा।



भक्ति और आस्था का संदेश

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि भगवान हनुमान की भक्ति हमें शक्ति, साहस और सेवा भाव का संदेश देती है। हनुमान जयंती का पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करता है।

# शिवपुराण में जन्म से मरण का सार : कथावाचक

## कथा श्रवण करने पहुंचे नेता व जनप्रतिनिधिगण, कामता प्रसाद शरण की कथा आयोजित

**डोंगरगांव नगर।** विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहड़ में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित कामता प्रसाद शरण के सानिध्य में तीन दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिकता का वातावरण निर्मित हो गया था। कथा अंतर्गत कामता प्रसाद शरण ने भगवान शिव की महिमा, जीवन मूल्यों, धर्म और मानव कल्याण से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक है। कथा में भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों एवं लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे थे। कथा दरम्यान जनप्रतिनिधिगण सहित नेतागण भी कथा श्रवण करने सम्मिलित हुए। द्वितीय दिवस विधायक दलेश्वर साहू की धर्मपत्नि समाजसेवी जयश्री साहू, नेतागण दिनेश गांधी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टिकेश साहू, नेता चुन्नी यदु, नीलम साहू, हरिला देवेंद्र साहू, रामकुमार गुप्ता, मोहनीश साहू सहित अन्य शामिल हुए।



### सांसद पाण्डेय ने किया कथा श्रवण

*इस अवसर पर अंतिम दिवस की कथा दरम्यान राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, जिला पंचायत सभापति जागृति यदु, जपंउपाध्यक्ष रंजिता पडौती, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, गुलशन हिरवानी, सतीश पाण्डेय, कपिल पडौती सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस मौके पर सरपंच भूषण देवांगन ने आगंतुकों का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर अगुवानी की।*

# महंगाई पर कांग्रेस का हमला, केंद्र सरकार की नीतियों को बताया जिम्मेदार

**दल्लीराजहरा।** विद्या शर्मा (कांग्रेस), पूर्व उपाध्यक्ष, नगर पंचायत, डौंडीलोहारा ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनके द्वारा कहा गया कि सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलताओं के कारण देश में लगातार महंगाई बढ़ रही है, जिससे आम जनता का जीवन कठिन होता जा रहा है। हाल ही में कमर्शियल गैस के दाम में 195 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले तीन महीनों में ही 525 रुपये की वृद्धि हो चुकी थी। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी 62 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने के सरकार के फैसले को भी शर्मा ने दिखावटी राहत बताया, क्योंकि कई राज्यों में पेट्रोल के दाम फिर से बढ़ गए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि खाद्य तेल, दूध, राशन सामग्री सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है, जिससे आम आदमी के किचन का बजट बिगड़ गया है। पार्टी का कहना है कि खाद्य तेल के दाम जहां पहले धीरे-धीरे बढ़ते थे, वहीं अब कम समय में ही दोगुने तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी कहा गया कि घरेलू गैस सिलेंडर, जो पहले अपेक्षाकृत सस्ता था, अब 900 से 1000 रुपये तक पहुंच गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत भी 1580 से बढ़कर 1691 रुपये हो गई है। शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आम जनता की बजाय अपने पूंजीपति मित्रों के हितों को प्राथमिकता दे रही है और देश के संसाधनों का लाभ सीमित वर्ग तक पहुंच रहा है। कांग्रेस नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय मनरेगा जैसी योजनाओं के माध्यम से रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई थी, जबकि वर्तमान सरकार ने गरीबों के रोजगार के अवसर कम कर दिए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बढ़ती आर्थिक असमानता और बेरोजगारी के बीच महंगाई ने आम लोगों का जीवन और अधिक कठिन बना दिया है। पार्टी ने रेलवे टिकट, स्कूल-कॉलेज फीस और बैंक सेवाओं पर बढ़ते शुल्क का भी मुद्दा उठाया। कांग्रेस का कहना है कि पेट्रोल-डीजल से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं तक की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है और लोग अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

# टाउनशिप में अब दोनों समय पानी सप्लाई करने का महत्वपूर्ण निर्णय

**दल्लीराजहरा।** भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए दल्लीराजहरा टाउनशिप के निवासियों और कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ की जायज मांगों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए नगर प्रशासक मंगेश सेलकर ने टाउनशिप में अब दोनों समय पानी सप्लाई करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगर प्रशासक और संघ के बीच हुई सकारात्मक चर्चा के बाद यह आश्वासन दिया गया है कि 13 अप्रैल से पूरे टाउनशिप में सुबह और शाम, दोनों वक्त पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। गर्मी के इस मौसम में पानी की किल्लत से जूझ रहे कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए यह एक बड़ा सहारा बनेगा। इस निर्णय का स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र बेहरा ने नगर प्रशासक मंगेश सेलकर का आभार व्यक्त किया है। बेहरा ने कहा, श्रमिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए नगर प्रशासन ने जो संवेदनशीलता दिखाई है, उससे सभी सेल कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है। भीषण गर्मी में दो समय पानी मिलना एक बड़ी जरूरत थी जिसे अब पूरा कर लिया गया है। यूनियन के पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि को श्रमिकों की एकता और प्रशासन के समन्वय की जीत बताया है। 13 अप्रैल से लागू होने वाली इस व्यवस्था से कर्मचारीयो के परिवारों को जल संकट से मुक्ति मिलेगी।

# टेंडर में अनियमितता का आरोप मंत्री के पास की गई शिकायत

**दल्लीराजहरा।** अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य स्वाधीन जैन ने उपमुख्यमंत्री एवं मंत्री नगरीय प्रशासन, छत्तीसगढ़ शासन, अरुण साव को एक शिकायत पत्र सौंपा है, जिसमें नगर पंचायत चिखलाकसा, द्वारा जारी ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा क्रमांक 186662, 186667 एवं 186655 के E-Procurement Tender में लगभग 3 घंटे 40 मिनट का अंतर होने का आरोप लगाया है।

**शिकायत के मुख्य बिंदु:-** नियमों के अनुसार, निविदा सूचना में दिया गया समय और पोर्टल का समय एक समान होना चाहिए, लेकिन नगर पंचायत चिखलाकसा के E-Procurement Tender में लगभग 3 घंटे 40 मिनट का अंतर है। यह अंतर न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल उठता है। छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग के मैन्युअल के अनुसार, निविदा की समय-सीमा में किसी भी बदलाव या विसंगति के लिए शुद्धि पत्र जारी करना अनिवार्य है, लेकिन निकाय के द्वारा नहीं किया गया है। मांग की गई की मामले की आवश्यक जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। यह जांच सुनिश्चित करेगी कि सरकारी निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखी जाए।

# प्रदेशाध्यक्ष द्वारा समाज में शिक्षा व संस्कार पर जोर कर्मा जयंती में प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू ने की शिरकत



**डोंगरगांव नगर।** विकासखंड के ग्राम किरगी (ब) में कर्मा जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष डॉ नीरेंद साहू ने मुख्य अतिथि बतौर शिरकत की। इस दौरान समाज के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कर्मा नृत्य एवं लोकगीतों के माध्यम से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि बतौर शिरकत कर रहे छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू ने अपने प्रेरणादायक उदबोधन में समाज को संगठित, सशक्त एवं प्रगतिशील बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा एवं संस्कारों में निहित होती है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, जिससे समाज का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। उन्होंने आज के बदलते परिवेश में सामाजिक संगठन और पारस्परिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज को नई दिशा और मजबूती मिल सके। समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे मिलकर सामाजिक समरसता, शिक्षा के प्रसार एवं संस्कार निर्माण के लिए निरंतर कार्य करें। इस अवसर पर तहसील साहू संघ अध्यक्ष शिवराम साहू, गणेश साहू, डीकेश साहू, मनीष साहू, भुवन साहू, इंद्राणी साहू, दुलार निषाद, ग्राम अध्यक्ष टीकम साहू, मामेश साहू, मोहित साहू, हितेश्वर साहू, ठाकुर राम साहू, कमल साहू सहित ग्राम के समस्त गणमान्य नागरिक एवं सामाजिकजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# यातायात व्यवस्था को लेकर पीकअप वाहन, वाहन मालिकों, ड्राइवरों परिचालकों की बैठक

## यातायात नियमों के पालन करने एवं वाहनों के व्यवस्थापन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई



**बेमेतरा।** यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो ने नगर पालिका बेमेतरा में शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के उद्देश्य से टैक्सी स्टैंड (पीकअप वाहन चालकों) से जुड़े वाहन मालिकों, ड्राइवरों और परिचालकों की बैठक आयोजित की। बैठक में शहर में यातायात व्यवस्था तथा आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने अपने सुझाव रखे और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता बताई। सभी वाहन चालकों और परिचालकों से नियमों का पालन करने, निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़ा करने तथा यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही जल्द ही आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन भी दिया गया। इसके अलावा सिग्नल चौक में लगे सिग्नल का पालन करने, सिग्नल जंप नहीं करने, शराब सेवन कर वाहन न चलाने, नो पार्किंग में वाहन खड़ा न करने, होटल एवं ढाबों के सामने सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, पार्किंग स्थल पर ही वाहन खड़ा करने, संयमित गति से वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने, यातायात सड़क संकेतों का पालन करने तथा किसी भी वाहन को चलाने के लिए उस वाहन का रजिस्ट्रेशन कार्ड, इंश्योरेंस एवं स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है-इस संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि इनमें से किसी एक के अभाव में गंभीर नुकसान हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध लगे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को देने एवं पुलिस का यथासंभव सहयोग करने हेतु भी निर्देशित किया गया तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना एवं आम नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान प्रधान आरक्षक दौलत वर्मा सहित टैक्सी स्टैंड (पीकअप वाहन चालकों) से जुड़े वाहन मालिकों, ड्राइवरों एवं परिचालकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### रायपुर कैपिटल द्वारा महिला सशक्ति करण हेतु जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित

**रायपुर।** जेसीआई रायपुर कैपिटल द्वारा महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर स्थित स्टडी प्वाइंट एंड करियर कंप्यूटर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित हुआ, जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सत्र अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की भावना को आगे बढ़ाते हुए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। प्रशिक्षण सत्र का संचालन ज़ोन ट्रेनर संदीप थौरानी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को उनके अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा युवाओं के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देकर उन्हें जागरूक किया। कार्यक्रम के प्रोग्राम डायरेक्टर जेसी तेज कुमार नायक एवं को-प्रोग्राम डायरेक्टर जेसी शालू अग्रवाल द्वारा उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गईं, जिसकी सभी ने सराहना की। स्टडी प्वाइंट संस्थान के सहयोग से वहां की छात्राओं ने भी इस सत्र को अत्यंत उपयोगी बताते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस अवसर पर जेसीआई रायपुर कैपिटल के अध्यक्ष जेसी सुरज अग्रवाल, उनकी धर्मपत्नी एवं फर्स्ट जेसी लेडी जेसी प्रीति अग्रवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जे सी तेज कुमार नायक (वाइस प्रेसिडेंट, जेसीआई रायपुर कैपिटल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके लिए संस्था ने उनका आभार व्यक्त किया। जेसीआई रायपुर कैपिटल द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में जागरूकता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल है।

### सुकमा में युवाओं को मिली नए जीवन की मजबूत नींव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव की नई कहानी लिख रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे आत्मसमर्पित माओवादी युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसी क्रम में जिला मुख्यालय सुकमा स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में 32 आत्मसमर्पित युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट प्रदान की गई। कार्यक्रम कलेक्टर अमित कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर ने युवाओं से संवाद कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि आप सभी को स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भरता और समाज में सम्मान मिले। आज दी जा रही मेसन किट केवल औजार नहीं, बल्कि आपके नए जीवन की मजबूत नींव है। निर्माण कार्यों में रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। राजमिस्त्री का कार्य ऐसा कौशल है जिससे आप मेहनत और ईमानदारी के बल पर कुशल कारीगर बनकर आगे चलकर स्वरोजगार, ठेकेदारी और उद्यमिता की ओर भी बढ़ सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप इस अवसर का पूरा लाभ उठाएंगे और प्रशिक्षण व अनुशासन के साथ अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे। इस पहल के माध्यम से जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पुनर्वास का अर्थ केवल मुख्यधारा में लौटना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान के साथ जीवन को नई दिशा देना है। मेसन किट मिलने से युवाओं को निर्माण कार्यों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकेंगे।

### स्कोडा ऑटो इंडिया ने Q1 (जनवरी-मार्च) 2026 में अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री दर्ज

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2026 में भी अपनी मजबूत विकास गति को जारी रखते हुए Q1 (जनवरी-मार्च) में 20,028 यूनिट्स की बिक्री के साथ अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री दर्ज की है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 17,138 कारों की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2025 के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी विकास गति को बनाए रखा है और लगातार नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है, जिससे भारतीय बाजार में इसकी पकड़ और मजबूत हो रही है। स्कोडा ऑटो इंडिया के प्रदर्शन को स्कोडा काइलैक की मजबूत और लगातार मांग ने प्रमुख रूप से आगे बढ़ाया है, जिसने हाल ही में 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार किया है। इसके साथ ही नए स्कोडा कुशाक की शुरुआत, स्कोडा स्लाविया का स्थिर योगदान, और प्रीमियम SUV सेगमेंट में स्कोडा कोडियक की निरंतर मांग ने भी इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, आशीष गुप्ता, ब्रांड डायरेक्टर, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कहा, 2026 में अपनी अब तक की सबसे बड़ी तिमाही के साथ विकास की इस तेज़ रफ्तार को जारी रखना पिछले एक वर्ष में बनाए गए हमारे मजबूत आधार का प्रमाण है। 2025 में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल करने के बाद, यह देखना उत्साहजनक है कि हम इस गति को बनाए रखते हुए लगातार नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। यह वृद्धि हमारे मजबूत और अधिक सुलभ प्रोडक्ट पोर्टफोलियो, व्यापक बाज़ार पहुंच और ग्राहक-केंद्रित पहलों पर बढ़ते फोकस का परिणाम है। स्कोडा काइलैक लगातार नए ग्राहकों और नए क्षेत्रों तक ब्रांड की पहुंच बढ़ा रही है, वहीं हाल ही में लॉन्च की गई स्कोडा कुशाक ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इसके साथ ही स्कोडा स्लाविया और स्कोडा कोडिएक अपने-अपने सेगमेंट में स्थिर मांग बनाए हुए हैं। आगे बढ़ते हुए, हमारा ध्यान प्रासंगिक उत्पादों के लॉन्च, अपने नेटवर्क के विस्तार और समग्र ओनरशिप अनुभव को बेहतर बनाकर इस गति को बनाए रखने पर केंद्रित रहेगा।

### छत्तीसगढ़ की बोलियाँ भाषा के मुकुट की अनमोल धरोहरः शकुंतला तरार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय बोलियाँ भाषा की समृद्धि और विविधता की पहचान हैं। इन्हें भाषा रूपी मुकुट में जड़े रत्नों की संज्ञा देते हुए प्रख्यात साहित्यकार शकुंतला तरार ने कहा कि हर बोली अपने भीतर एक अलग संस्कृति, लहजा और भावनात्मक गहराई समेटे हुए होती है, जो भाषा को जीवंत और प्रभावशाली बनाती है। यह विचार उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित साहित्योत्सव 2026 के दौरान व्यक्त किए। यह आयोजन साहित्य अकादमी और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर की 50 से अधिक भाषाओं और 650 से अधिक साहित्यकारों व विद्वानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। श्रीमती तरार ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंडी, कुड़ुख सहित कई स्थानीय बोलियाँ न केवल भाषा की पहचान हैं।

---

**ग्राम बेहराखार जाकर विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर समुदायों से की आत्मीय मुलाकात**

# राज्यपाल ने बिरहोर समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

- अधिकारियों को स्व-सहायता समूह बनाकर रोजगार से जोड़ने तथा उत्पादों में वैल्यू एडिशन कर उचित मूल्य दिलाने को कहा

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज जशपुर जिला के कुनकुरी विकासखंड के बेहराखार ग्राम का दौरा कर विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर समुदाय के लोगों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके रहन-सहन, जीवनशैली को नजदीक से समझा और उनसे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। राज्यपाल ने बिरहोर समुदाय के लोगों से चर्चा करते हुए विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों तक सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और वे मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने बिरहोर समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर दिया जोर दिया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बिरहोर समुदाय के लोगों से संवाद करते हुए उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह देते हुए कहा कि बीमारी की स्थिति में अस्पताल या स्वास्थ्य शिविरों में जाकर समय पर उपचार कराना चाहिए। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि बिरहोर समुदाय को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए, ताकि उन्हें रोजगार के अवसर मिल सकें और वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए संचालित पीएम जनमन योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि इन क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं, जिससे लोगों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण हो सके। साथ ही उन्होंने बच्चों के लिए टीकाकरण को अनिवार्य बताते हुए सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को समय पर वैक्सीन लगवाने की अपील की। राज्यपाल श्री डेका ने बिरहोर समुदाय के लोगों को अपने घरों में पढ़ाई के लिए एक अलग कोना बनाने की सलाह दी, जिससे बच्चों को अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके और वे अधिक प्रेरित हों। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि बिरहोर समुदाय द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों का वैल्यू एडिशन किया जाए, ताकि उनके उत्पादों को बाजार में उचित मूल्य मिल सके। इस अवसर पर बिरहोर समुदाय के गुरुबारु ने राज्यपाल को जानकारी दी कि क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों का निर्माण भी किया जा रहा है। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने पद्मश्री जागेश्वर यादव के सहयोग की सराहना भी की। कार्यक्रम के दौरान बिरहोर समुदाय के लोगों ने राज्यपाल का पारंपरिक रूप से स्वागत करते हुए उन्हें केंद फूल, लाय तथा स्वयं निर्मित रस्सी भेंट की। राज्यपाल ने भी समुदाय के लोगों को साल भेंट कर सम्मानित किया तथा उपयोगी सामग्री के रूप में टॉर्च प्रदान की। साथ ही उन्होंने पद्मश्री जागेश्वर यादव को राजकीय गमछा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार सहित अधिकारीगण मौजूद रहे।

# बस्तर में विकास नहीं विनाश की बना रणनीति विरोध को दबाने नहीं हटाया जा रहा बल-विनोद

- अबूझमाड़ के जल-जंगल जमीन पर सरकार की कुदृष्टि
- नक्सल मुक्त होने के बाद भी बस्तर में 60 हजार सुरक्षा बलों की तैनाती क्यों

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भाजपा की साय सरकार के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ को 100 फीसदी नक्सल मुक्त होने की बात कही है। श्री चंद्राकर ने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ पूरी तरह से लाल आतंक मुक्त हो चुका है तो अतिरिक्त 60 हजार सुरक्षा बलों की तैनाती अभी भी बस्तर क्षेत्र में क्यों है। इन 60 हजार सुरक्षा बलों में 40 हजार केंद्रीय रिजर्व फोर्स है। जिन्हें अब वापस भेज देना चाहिए। लेकिन, सरकार एक साल तक और फोर्स की तैनाती बस्तर में करने की बात कह रही है। इसका अर्थ है कि या तो अभी भी छत्तीसगढ़ पूरी तरह नक्सल मुक्त नहीं हुआ है, या फिर हसदेव की तरह अबूझमाड़ के जल, जंगल जमीन को भी अडाणी को सौंपने की योजना भाजपा द्वारा बनाई जा रही है। ताकि, विरोध होने पर आसानी से फोर्स की मदद से उन्हें नियंत्रित की जा सके। श्री चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लाल आतंक की समाप्ति से



अबूझमाड़ के विकास में तेजी आएगी। छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त होकर शांति का टापू बने यह सभी चाहते हैं। लेकिन, विकास के नाम पर विनाश की जो रणनीति भाजपा बना रही है, वह प्रदेश के वनवासियों के साथ छल है। क्योंकि, 60 हजार बल की तैनाती अभी भी बस्तर में है। सरकार का तर्क है कि स्थिति सामान्य होने तक तथा विकास कार्यों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बल की नियुक्ति की गई है। अब सवाल यह उठता है कि गृहमंत्री अमित शाह के डेडलाइन अनुसार जब 31 मार्च 2026 तक प्रदेश पूरी तरह नक्सल मुक्त हो चुका है, ऐसे में बस्तर के विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होना चाहिए। क्योंकि, वनांचल क्षेत्र के भोलेभाले आदिवासी भला विकास कार्यों में क्या अवरोध उत्पन्न करेंगे। विरोध तब होगा जब आदिवासियों से उनका जल, जंगल, जमीन छीना जाएगा। क्योंकि, पहले ही भाजपा की साय सरकार ने अडानी के लिए हसदेव अरण्य के लाखों हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हरे-भरे जंगल को काटकर आदिवासियों की मूल भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि हसदेव अरण्य देवभूमि से जहां आदिवासियों की संस्कृति, सभ्यता जुड़ी है।

# नियद नेल्लानार योजना: बीजापुर के पालनार में स्वास्थ्य क्रांति......



- आयुष्मान आरोग्य मंदिर से सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को मिल रही नई सौगात

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए संचालित 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गाँव) योजना अब धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही है। जिला बीजापुर के दुर्गम क्षेत्र ग्राम पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के खुलने से 28 जनवरी 2026 से अब तक सैकड़ों ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पालनार और आस-पास के गांवों में स्वास्थ्य के प्रति आई इस जागरूकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस अल्प अवधि में ही कुल 747 मरीजों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार 16 मरीजों को भर्ती कर उनका सफलतापूर्वक उपचार किया गया। पहले जिन ग्रामीणों को छोटी बीमारियों के लिए भी मीलों पैदल चलना पड़ता था, उन्हें अब विशेषज्ञ परामर्श और निःशुल्क दवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस केंद्र में अब तक 5 सुरक्षित प्रसव कराए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप, नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु नवजातों के जन्म प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही, क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं और 18 धात्री माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित किया गया है। योजना के तहत गैर-संचारी रोगों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पालनार केंद्र में अब तक 250 ग्रामीणों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई, जिसमे 25 मरीज उच्च रक्तचाप से ग्रसित पाए गए। बारह मरीज मधुमेह से पीड़ित मिले। एक ग्रामीण में ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण मिलने पर तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र हेतु रेफर किया गया। पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सफलता यह दर्शाती है कि शासन की योजनाएं अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

# अमित जोगी को सुको का दरवाजा खटखटाना चाहिए-विधायक मिश्रा

- कांग्रेस के दीपक बैज और धनेन्द्र साहू ने कहा न्यायालय का फैसला सर्वोपरि

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा अमित जोगी को 27 दिन के अंदर सरेंडर किए जाने के आदेश के पश्चात सियासत तेज हुई है। भाजपा के विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि अमित जोगी को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। उधर कांग्रेस के पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा कि न्यायालय का फैसला सर्वोपरि है इसका हमें सम्मान करना चाहिए। राजधानी में 2003 में हुए रामअवतार जग्गी हत्याकांड को लेकर उनके पुत्र सतीश जग्गी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। होईकोर्ट ने जोगी कांग्रेस के अमित जोगी को तीन हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का निर्देश दिया है। इसको लेकर अब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। स्व. रामअवतार जग्गी के पुत्र सतीश जग्गी ने कहा कि मुझे लंबी कानूनी लड़ाई के बाद न्याय मिला है। मुझे न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि भगवान के यहां देर है अंधेर नहीं। भाजपा के पुरंदर मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में हुई इस हत्याकांड में अमित जोगी को निर्दोष बरी कर दिया गया था। यदि उन्हें ऐसे लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है अथवा राजनीति हुई है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कोर्ट के आदेश को सर्वोपरि माना है और कहा कि वे दंतेवाड़ा में है। कांग्रेस के धनेन्द्र साहू ने कहा कि कोर्ट को फैसला सर्वोपरि है उसका हम सम्मान करते हैं। इधर अमित जोगी ने कहा कि उन्हें कोर्ट के फैसले ने बरी कर दिया था ।

### चक्रीय चक्रवात का चक्कर, मौसम सुहाना होने के आसार

**रायपुर।** खाड़ी से आ रही नमी और पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में मौसम सुहाना पूर्वानुमार है। आज चिलचिलाती धूप होने के कारण होने लोगों को गर्मी का एहसास हुआ। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा से मिली जानकारी के अनुसार चक्रीय चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में आज कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान है लेकिन तापमान में कोई विशेष अंतर नहीं आएगा। इधर राजधानी में धूप तेज होने के कारण पेयजल संकट गहरा रहा है। जिसके कारण अब महापौर तथा विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रीय हो गए हैं, नल की धार अब तेज होने लगी है। एक पश्चिमी विक्षोभ, चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पूर्वी ईरान।

**हरी खाद, नील हरित शैवाल और जैव उर्वरक पूरी करेंगे रासायनिक उर्वरकों की कमी**

# जैव उर्वकों पर कृषि विभाग के अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ

रायपुर/ संवाददाता

पश्चिम एशिया, विशेषकर ईरान में पिछले एक माह से जारी संघर्ष के मद्देनज़र पेट्रोलियम उत्पादों तथा उर्वरक निर्माण में प्रयुक्त आवश्यक कच्चे माल के आयात में व्यवधान की आशंका उत्पन्न हो गई है। इस स्थिति के कारण निकट भविष्य में रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता प्रभावित होने की संभावना है। इस उभरती चुनौती को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन की कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार की परिकल्पना के तहत हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वकों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सभागार में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी खरीफमौसम की तैयारी के लिए सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करना था। प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती शहला निगार तथा डॉ. गिरिश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में हुआ। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. चंदेल ने मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं दीर्घकालिक कृषि स्थिरता हेतु पर्यावरण अनुकूल पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्रीमती शहला निगार ने रासायनिक उर्वरकों की संभावित कमी पर चिंता व्यक्त की तथा हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वकों जैसे वैकल्पिक पोषक स्रोतों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि ये जैविक स्रोत फसलों की पोषक आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत तक पूरा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आगामी दो से तीन महीनों में इनके उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए तथा किसानों को पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। तकनीकी सत्रों में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉ. तापस चौधरी, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीव



विज्ञान विभाग ने कृषि में नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वकों की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी तथा नाइट्रोजन स्थिरीकरण एवं मृदा उर्वरता वृद्धि में उनकी भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने धान उत्पादन में इनकी विशेष उपयोगिता एवं रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को 50 प्रतिशत तक कम करने की क्षमता पर प्रकाश डाला। डॉ. ललित श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग ने खरीफ फसलों के लिए रासायनिक उर्वरकों के विकल्पों पर चर्चा करते हुए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर बल दिया। डॉ. आदिकांत प्रधान, मुख्य वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान विभाग ने हरित खाद के उपयोग से मृदा संरचना एवं पोषक तत्व उपलब्धता में सुधार के लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान एक संवादात्मक सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके पश्चात डॉ. तापस चौधरी द्वारा नीली-हरी शैवाल उत्पादन तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। आगामी खरीफमौसम हेतु हरित खाद, नीली-हरी शैवाल एवं जैव उर्वकों के उत्पादन एवं व्यापक उपयोग की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस सत्र में किसानों के बीच इनके प्रसार एवं विस्तार गतिविधियों को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन एवं संचालन वरिष्ठ अधिकारियों जैसे डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक अनुसंधान सेवाएँ, डॉ. एस. एस. टूटेजा, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. कपिल देव दीपक, कुलसचिव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, श्री सी.बी. लोंडेकर, अतिरिक्त संचालक, कृषि संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन, श्री विकास मिश्रा, उप सचिव तथा श्री अमित सिंह, अवर सचिव, कृषि विभाग द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 150 से अधिक अधिकारियों, उप संचालकों, कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## संपादकीय

# फिर वही गलती, भगदड़ में फिर मौंते

बिहार के नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में मंगलवार (31 मार्च, 2026) को हुई प्रार्थना सभा के दौरान भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवारों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। लेकिन बार-बार हो रहे हादसे देश भर की सरकार और प्रशासन के क्राउड मैनेजमेंट पर सवाल उठा रहे हैं। बिहार के नालंदा में शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ की अब तक कोई नई वजह सामने नहीं आई है। ज्यादा भीड़, तंग जगह, अफवाह और फिर अफरातफरी। विपदा की यही स्क्रिप्ट देश में बार-बार दिखती रही है। 31 मार्च 2026 को मची इस भगदड़ में 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। जिनमें अधिकांश महिला थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महावीर जयंती और मंगलवार का दिन होने के कारण भीड़ ज्यादा थी, जबकि उसको संभालने के इंतजाम नाकाफी। बताया जा रहा है कि एक जगह बैरिकेड टूटा, जिससे लोग संभल नहीं पाए। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रबंधन और पुलिस पर आरोप लगाए हैं कि भीड़ को देखते हुए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। वक्त और जगह बदल दीजिए, तो ऐसे हालात बार-बार बन रहे हैं। पिछले साल नवंबर में आंध्र के श्रीकाकुलम जिले के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी। वहां भी हादसा बैरिकेड टूटने से हुआ। उसके पहले जुलाई में हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में अफवाह ने कई लोगों की जान ले ली और जनवरी में तिरुपति मंदिर में हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने की वजह से हालात बिगड़ गए थे। केवल धार्मिक स्थल या आयोजन ही नहीं, राजनीतिक रैलियां भी जानलेवा साबित हुई हैं, जैसे पिछले साल सितंबर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली, जिसमें भीड़ अनियंत्रित होने की वजह से 39 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी डाली गई थी कि राजनीतिक रैलियों और सभाओं में भीड़ प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। अदालत ने इसे सरकार की जिम्मेदारी बताया था। सार्वजनिक जगहों पर भीड़ के सैलाब को संभालना हमेशा से चुनौती रहा है। जब अनुमान से ज्यादा लोग एक जगह जुट जाते हैं, तो एक छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो का डेटा बताता है कि पिछले तीन दशक में लगभग 4000 भगदड़ हुई हैं।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

# माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

**(ललित गर्ग)**

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा

दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# भीतर के अंधेरे से बाहर के उजाले तक की अनदेखी यात्रा, अंदर के भ्रम से निकलना होगा

**(मोनिका राज)**

जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती।

सच्ची मुक्ति केवल बाहरी बंधनों से मुक्त होने का नाम नहीं है, बल्कि वह मनुष्य के भीतर बसे अज्ञान के अंधकार से बाहर निकलने की गहन प्रक्रिया है। जब तक व्यक्ति अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, भय और सीमित दृष्टि के जाल में उलझा रहता है, तब तक उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं हो सकती। अज्ञान वह अदृश्य आवरण है, जो सत्य को ढक देता है और मनुष्य को भ्रमों के संसार में भटका देता है। इसलिए वास्तविक मुक्ति का मार्ग बाह्य परिस्थितियों में परिवर्तन से नहीं, बल्कि अंतःकरण के प्रकाश से होकर गुजरता है।

मनुष्य का जीवन अनुभवों की निरंतर यात्रा है। प्रत्येक अनुभव, चाहे वह सुखद हो या पीड़ादायक, व्यक्ति के भीतर किसी न किसी रूप में चेतना का विस्तार करता है। अनुभव केवल घटनाओं का संग्रह नहीं होते, बल्कि वे आत्मा के शिल्पकार होते हैं, जो मनुष्य के व्यक्तित्व को गढ़ते हैं। जब व्यक्ति जीवन की घटनाओं को केवल भोग या दंड के रूप में नहीं, बल्कि आत्म-विकास की प्रक्रिया के रूप में देखता है, तब उसका दृष्टिकोण बदल जाता है। वह समझने लगता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण उसे कुछ सिखाने आया है। यही अनुभव धीरे-धीरे अज्ञान के आवरण को हटाते हैं और व्यक्ति को सत्य के निकट ले जाते हैं।

संघर्ष जीवन का अपरिहार्य सत्य है। जो व्यक्ति संघर्ष से भयभीत होकर पलायन करता है, वह कभी अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान नहीं पाता। संघर्ष मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करता है और चुनौतियों से पार पाने की प्रेरणा देता है। जब मनुष्य विपरीत परिस्थितियों का सामना करता है, तब उसके भीतर धैर्य, साहस और दृढ़ता का जन्म होता है। संघर्ष केवल बाधा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की सीढ़ी है। जिनके जीवन में संघर्ष का ताप नहीं पड़ा, उनके व्यक्तित्व में गहराई और परिपक्वता का अभाव रह जाता है।

संवेदनशीलता मनुष्य को मनुष्य बनाती है। संवेदनशील हृदय ही दूसरों के दुख को समझ सकता है, उनके दर्द को महसूस कर सकता है और उनके सुख में सहभागी बन सकता है। संवेदनशीलता व्यक्ति को आत्मकेंद्रित होने से बाहर निकालकर व्यापक मानवीय चेतना से जोड़ती है। जब मनुष्य केवल अपने हितों में उलझा रहता है, तब उसकी दृष्टि संकीर्ण हो जाती है और वह जीवन के व्यापक अर्थ को खो देता है। मगर जब वह दूसरों के अस्तित्व को अपने अस्तित्व से जोड़कर देखने लगता है, तब उसके भीतर करुणा, सहानुभूति और प्रेम का प्रवाह होता है।

जो व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति को सीख का अवसर मानता है, वही वास्तव में आत्मिक शक्ति का विकास करता है। जीवन में आने वाली कठिनाइयां, असफलताएं और निराशा अगर व्यक्ति को तोड़ने के बजाय उसे सोचने, समझने और बदलने के लिए प्रेरित करें, तो वे उसके विकास की आधारशिला बन जाती हैं। सीखने की प्रवृत्ति मनुष्य को जड़ता से मुक्त करती है और उसे निरंतर गतिशील बनाती है। जब व्यक्ति यह स्वीकार कर लेता है कि जीवन में कोई अनुभव व्यर्थ नहीं है, तब उसकी चेतना में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। वह परिस्थितियों का शिकार बनने के बजाय उनका सृजनकर्ता बन जाता है और अपने जीवन का अर्थ खुद गढ़ने लगता है।

आत्मिक शक्ति का विकास केवल आत्म-संतोष तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह व्यक्ति को व्यापक मानवीय उत्तरदायित्वों से जोड़ता है। आत्मिक रूप से जागृत व्यक्ति अपनी सीमाओं को पहचानते हुए भी उनमें बंधा नहीं रहता। वह जानता है कि उसकी व्यक्तिगत मुक्ति तब तक अधूरी है, जब तक समाज में अज्ञान, अन्याय और पीड़ा का अस्तित्व बना हुआ है। इसलिए वह आत्मकेंद्रित दृष्टि से ऊपर उठकर मानव-कल्याण से जुड़ता है। उसके लिए जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता या सुख-संपन्नता का साधन नहीं रह जाता, बल्कि समाज के उत्थान का माध्यम बन जाता है। मानव-कल्याण की भावना मनुष्य को उसकी संकीर्ण पहचान से मुक्त करती है और उसे विश्व-मानव के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करती है। जब व्यक्ति यह समझने लगता है कि उसकी खुशियां दूसरों की खुशियों से जुड़ी हैं और उसकी पीड़ा दूसरों की पीड़ा से अलग नहीं है, तब उसके भीतर एक नई चेतना का उदय होता है। यही चेतना उसे स्वार्थ से परमार्थ की ओर ले जाती है। मानव-कल्याण का मार्ग कठिन अवश्य है, लेकिन यही मार्ग जीवन को सार्थक बनाता है। जब मनुष्य अपने ज्ञान, शक्ति और संसाधनों का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए करता है, तब वह वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र हो जाता है। सच्ची स्वतंत्रता बाहरी अधिकारों से नहीं, बल्कि आंतरिक जागरूकता से जन्म लेती है। जो व्यक्ति अपने भीतर के अज्ञान, भय और अहंकार से मुक्त हो जाता है, वही वास्तव में स्वतंत्र है।

# तेल के जहाजों पर हमले से गहराया संकट: जंग के बीच समुद्र और जलवायु पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

**(प्रमोद भार्गव)**

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग में न केवल मानवीय त्रासदी की तस्वीरें सामने आ रही हैं, बल्कि इससे पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रपटों के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग पर अब तक पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब बीस तेल जहाजों पर हमले किए गए हैं। एक अनुमान के अनुसार, इन जहाजों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई है। एक बड़े गैस टैंकर में लगभग पैंतालीस हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है। इससे करीब 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे जा सकते हैं। अमेरिका का दावा है कि ईरान के खर्ग द्वीप स्थित तेल के सबसे बड़े ठिकाने पर भी हमला किया गया है। ईरान का यहां बड़ा सैन्य अड्डा भी है, जिसे अमेरिका ने पूरी तरह नष्ट करने का दावा किया है। बीस वर्ग किलोमीटर में फैले इस द्वीप से ईरान के कुल तेल का नब्बे फीसद निर्यात होता है। यहां तेल भंडारण के टैंक, लोडिंग टर्मिनल और निर्यात के लिए तेल की पाइपलाइन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने यूएई के फुजैराह बंदरगाह पर हमला करके बड़े तेल भंडारों को नष्ट कर दिया है। ऐसे में अगर पश्चिम एशिया में चल रहे इस संघर्ष में तेल के जहाजों को निशाना बनाना जारी रहा, तो इससे बड़ी मात्रा में तेल, गैस और रसायन फैलेगा, जिससे समुद्री जल बुरी तरह प्रदूषित होगा। वैसे भी दुनिया के समुद्री तटों पर पेट्रोलियम पदार्थों और औद्योगिक कचरे से पर्यावरण के लिए बड़ा संकट पैदा हो गया है। तेल के रिसाव, टैंकों के टूटने और इन्हें साफ करने से भी समुद्र का पर्यावरणीय पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है। यदि किसी कारणवश एक जहाज से भी तेल का रिसाव होता है, तो क्षेत्र के जल पर्यावरण को बड़ी क्षति पहुंचती है। ऐसे में अगर होर्मुज जलमार्ग पर बड़ी संख्या में तेल के जहाजों को निशाना बनाया जाता है,

तो उनसे होने वाले रिसाव से कितने बड़े पैमाने पर जल प्रदूषण होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

कुछ साल पहले जापान में तोक्यो के तट के समीप 317 किलोमीटर की पट्टी पर तेल के फैलाव से वहां के तटवर्ती शहरों में हाहाकार मच गया था। रूस में बेलाव नदी के किनारे बिछी तेल पाइप लाइन से 150 मीट्रिक टन तेल के रिसाव ने आस-पास के इलाके में पेयजल का संकट खड़ा कर दिया था। सैनजुआन जहाज के कोरल चट्टानों से टकरा जाने के कारण अटलांटिक तट पर करीब तीस लाख लीटर तेल का रिसाव होने से समुद्री जीव प्रभावित हुए थे। इसी तरह मुंबई हाई से लगभग 1,600 मीट्रिक टन तेल का रिसाव होने के कारण पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ था। बंगाल की खाड़ी में क्षतिग्रस्त तेल टैंकर से हुए रिसाव ने निकोबार द्वीप समूह में गंभीर संकट पैदा कर दिया था। लाइबेरिया के एक टैंकर से 85 हजार मीट्रिक टन तेल रिसाव ने स्कॉटलैंड में समुद्री पक्षियों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। सबसे भयंकर तेल का रिसाव अमेरिका के अलास्का में हुआ था। यह रिसाव प्रिंस विलियम साउंड टैंकर से हुआ था। इसका असर छह माह तक रहा और इस अवधि के दौरान क्षेत्र में 35,000 समुद्री पक्षियों तथा व्हेल मछलियों समेत दस हजार से अधिक समुद्री जीवों की मौत हो गई थी। हालांकि, इस घटना का असर इराक युद्ध के दौरान समुद्र में छोड़े गए तेल से कम था। यह तेल इसलिए छोड़ा गया था कि कहीं यह अमेरिका के हाथ न लग जाए। तब अमेरिका की ओर से इराक के तेल टैंकरों पर की गई बमबारी से भी लाखों टन तेल समुद्री सतह पर फैला था। एक अनुमान के मुताबिक, इस कच्चे तेल की मात्रा 110 लाख बैरल थी। इस तेल के बहाव ने फारस की खाड़ी में घुसकर समुद्री जीवों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया था। इस प्रदूषण का असर मिट्टी, पानी और हवा तीनों पर पड़ा था। समुद्र की सतह पर जब तेल फैलता है, तो इसकी मोटी परत सूर्य की रोशनी और आक्सीजन को नीचे जाने से रोकती है। इससे जलीय जीव दम घुटने से मर जाते हैं। जो जीव किसी तरह बचे भी रहते हैं, उनकी प्रजनन क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, क्योंकि तेल और रसायनों का प्रभाव जहरीला होता है।

समुद्री पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के शरीर पर तेल की परत जम जाने से उनकी ऊष्मारोधी क्षमता कम हो जाती है, इसलिए ये जीव शरीर का तापमान बहुत कम हो जाने के कारण भी दम तोड़ देते हैं। तेल के कुओं और भंडार गृहों में आग लगने से तीव्र एवं जहरीली रोशनी निकलती है, जो मधुमक्खियों जैसे परा-गणकों को प्रभावित कर उनके जीवन चक्र को बाधित कर देती है। समुद्र में जलने वाला तेल पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन बिगाड़ने का काम करता है। इससे भविष्य में वैश्विक जलवायु आपातकाल की स्थिति निर्मित होने की संभावना बढ़ सकती है। मध्यपूर्व में जल रहा तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ा सकता है, जिसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। इसके परिणाम स्वरूप निकट भविष्य में सूखा, अतिवृष्टि, बाढ़ और तूफान जैसी चरम मौसमी घटनाएं देखने को मिल सकती हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, वर्तमान में दुनिया भर में करीब 1.64 अरब वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, इनमें इस्तेमाल होने वाला जीवाश्म ईंधन भी वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। प्रदूषण रोकने के तमाम उपायों के बावजूद 150 लाख टन कार्बन मोनोआक्साइड, दस लाख टन नाइट्रोजन आक्साइड और पंद्रह लाख टन हाइड्रोकार्बन हर साल वायुमंडल में जमा होते हैं, जो ओजोन-परत के लिए बड़ा खतरा है। यदि ईरान-इजराइल युद्ध में निशाना बनाए जा रहे जहाजों में भरा तेल एवं गैस पूरी तरह समुद्र में फैल जाते हैं, तो जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को कितने बड़े स्तर पर नुकसानदेह होगा, इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इससे विश्व भर में ऊर्जा के संकट से भी जूझना पड़ेगा। तेल, गैस और रसायनों के जलने से पैदा होने वाला प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे फेफड़ों का कैंसर, दमा, तपेदिक, हृदय रोग और त्वचा संबंधी रोगों का खतरा बना रहता है। एक अध्ययन के अनुसार, कैंसर के मरीजों की कुल संख्या में अस्सी फीसद मामले हवा में फैले विषैले रसायनों के कारण होते हैं।

विश्व बैंक ने अपनी एक रपट में जल प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव की कीमत 150 रुपए प्रति व्यक्ति आंकी है, जो तटीय क्षेत्रों में रहते हैं। मगर यह मूल्यांकन वर्तमान युद्ध में तेल भंडारों पर हो रहे हमलों और उससे होने वाले नुकसान का आकलन नहीं है। इसका आकलन तो युद्ध की समाप्ति के बाद ही होगा। वैसे पेट्रोलियम अपशिष्टों का समुद्री खाद्य सामग्री पर भी असर पड़ता है। दूषित जल से कई समुद्री जीव कैंसर जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जब इन जीवों को मानव के आहार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो मनुष्य के शरीर में विकार आना स्वाभाविक है। ऐसे में युद्धरत देशों समेत वैश्विक स्तर पर इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि तेल के जहाजों और भंडारों को निशाना बनाने के दूरगामी एवं घातक परिणाम हो सकते हैं।

# माओवाद के अंत के बाद बस्तर में विकास को गति : केजंग में 1.20 करोड़ के कार्यों की सौगात





कोण्डागांव।-बस्तर क्षेत्र में माओवाद के प्रभाव के समाप्त होने के साथ अब विकास कार्यों को नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में शनिवार को वन मंत्री केदार कश्यप जिले के सुदूर अंचल स्थित ग्राम केजंग पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत के 11 विकास कार्यों की सौगात दी और विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार आम नागरिकों के हित में क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पूर्व में माओवाद से प्रभावित रहा है, लेकिन अब पूरा छत्तीसगढ़ माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो चुका है। ऐसे में बस्तर संभाग भयमुक्त वातावरण में तेजी से विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ेगा और समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने बताया कि स्वीकृत विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। भूमिपूजन किए गए कार्यों में विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़क निर्माण, भवन निर्माण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य शामिल हैं। इनमें ग्राम पंचायत कुधूर, कोरमेल, जोडेंगा, पदनार, पुसपाल, मड़ागांव, केजंग, मडानार और बेतबेड़ा में सीसी सड़क, मुरमीकरण, शेड निर्माण एवं शौचालय निर्माण जैसे कार्य प्रमुख हैं। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, एसडीएम अजय उरांव, तहसीलदार मनोज रावटे, जनपद सीईओ उत्तम महोबिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# पुनर्वास नीति से बदल रही जिंदगी: कोण्डागांव में कौशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बन रहे पुनर्वासित लोग



कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत कोण्डागांव जिले में पुनर्वासित व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। जिले में स्थापित पुनर्वास केन्द्र आज ऐसे लोगों के लिए आशा और नवजीवन का केन्द्र बन चुका है, जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति और विकास की राह अपनाई है।जिले में वर्तमान में 48 पुनर्वासित व्यक्तियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के तहत असिस्टेंट शटरिंग कारपेंटर, गार्डनर, वाहन मेकेनिक, इलेक्ट्रिशियन तथा सिलाई-कढ़ाई जैसे रोजगारोन्मुखी ट्रेड शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें हुनरमंद बनाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रथम चरण में 38 व्यक्तियों को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं वर्तमान में लाईवलीहुड कॉलेज में 10 पुनर्वासित व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें 7 को सिलाई एवं 3 को इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण न केवल तकनीकी दक्षता बढ़ा रहा है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मसम्मान भी विकसित कर रहा है।पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण ले रही मड़हो बाई कोर्राम और हाड़ेबाई सोड़ी ने बताया कि वे सिलाई-कढ़ाई का कार्य सीख रही हैं और प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद अपने गांव में स्वरोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। वहीं मोहन कोर्राम, जो वर्ष 2004 में माओवादी संगठन से जुड़े थे, अब पुनर्वास नीति का लाभ लेकर सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कौशल के माध्यम से वे अपने गांव में रोजगार स्थापित कर शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं।राज्य शासन द्वारा पुनर्वासित व्यक्तियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। यह पहल उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शासन की पुनर्वास नीति और जनकल्याणकारी योजनाएं मिलकर पुनर्वासित लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

# शादी समारोह में संदिग्ध युवक की उपस्थिति से सनसनी, विस्फोटक जैसी सामग्री मिलने की आशंका, ग्रामीणों की सतर्कता से टली बड़ी घटना







माकड़ी। माकड़ी ब्लॉक के कावरा ग्राम पंचायत में उपसरपंच के विवाह समारोह के दौरान एक संदिग्ध युवक के मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के पास विस्फोटक जैसी संदिग्ध सामग्री होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, ग्रामीणों की सतर्कता और सूझबूझ के चलते एक संभावित बड़ी घटना टल गई। जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह में शामिल ग्रामीणों की नजर एक अज्ञात युवक पर पड़ी, जिसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही थीं। संदेह गहराने पर जब उसकी जांच की गई तो उसके पास से संदिग्ध सामग्री दिखाई दी। इसके बाद ग्रामीणों ने बिना देर किए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाना माकड़ी ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और संदिग्ध सामग्री की भी पड़ताल की जा रही है।घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गौतम साहू ने कहा कि माकड़ी क्षेत्र हमेशा से शांतिपूर्ण रहा है और इस तरह की घटना पहली बार सामने आई है।

# ग्राम उसरी में CFR एवं वन अधिकारों पर विशेष बैठक आयोजित, युवाओं ने जताई सक्रिय भागीदारी



बस्तर। बस्तर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी में आज दिनांक 05 अप्रैल 2026, दिन रविवार को युवा प्रकोष्ठ बस्तर ब्लॉक एवं युवा प्रकोष्ठ उसरी के तत्वाधान में पंचायत भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सामुदायिक वन संसाधन (ष्टस्न्रक्र), वन अधिकार अधिनियम एवं अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई कार्यक्रम में बस्तर संभाग युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री संतु मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे बैठक के दौरान वक्ताओं ने वन अधिकार कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों, ग्राम सभा की भूमिका तथा ष्टस्न्रक्र के माध्यम से ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार ग्रामीण अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर युवाओं ने सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए अपने विचार रखे और क्षेत्र में वन अधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया कार्यक्रम में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। बैठक के अंत में सभी उपस्थित जनों ने एकजुट होकर क्षेत्र के विकास एवं अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया इस दौरान युवा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# रायपुर की सड़कों पर दिखा कांकेर के शिवसैनिकों का जोश; रामनवमी पर निकाली भव्य ऐतिहासिक झांकी





कांकेर। कांकेर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) द्वारा एक विशाल और दिव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शनिवार को फूल चौक से प्रारंभ हुई इस ऐतिहासिक यात्रा में कांकेर जिले से सैकड़ों की संख्या में शिवसैनिक और रामभक्त सम्मिलित हुए, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। केसरिया रंग में रंगी राजधानी, जीवंत झांकियों ने मोहा मन प्रदेश प्रमुख डॉक्टर आनंद मल्होत्रा के सफल नेतृत्व में निकली यह शोभायात्रा रायपुर के प्रमुख मार्गों -फूल चौक, विठ्ठल मंदिर, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक से होते हुए पुनः सभा स्थल पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान 'राम दरबार', 'लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न' और 'हनुमान जी' की जीवंत झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और व्यापारिक संघों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहा, -यह शोभायात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की एकता और अटूट विश्वास का प्रतीक है। आज युवाओं की भारी भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारा समाज अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है।- कांकेर जिले से प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रायपुर पहुँचे। इसमें प्रमुख रूप से संत पटेल, सुकचंद मंडावी, अनेश नुरुटी, मनकुवर उयके, धर्मेंद्र यादव, भोल पाल, बलराम व्यापारी, चैतूराम शिकना, नोहर मंडावी, बिनेश्वर चुर्रेंद, सुरेश नाग, भोला नेताम, बिंदेसिंह शिवाना सहित सैकड़ों शिवसैनिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

# नगरनार पुलिस की बड़ी सफलता : 4 घंटे में मोटरसाइकिल चोरी के 2 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना नगरनार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी के मामले में महज 4 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद कर ली। आरोपियों ने पूछताछ में बाइक चोरी कर उसे बेचकर अपनी जरूरतें पूरी करने की बात स्वीकार की है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी प्रहलाद मांझी, निवासी ग्राम काटागुड़ा, कोसागुमड़ा, जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) ने 4 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 3 अप्रैल की रात अपने भाई आसमन मांझी और कृष्णा मांझी के साथ लाल रंग की पैशन प्रो मोटरसाईकिल क्रमांक छ्त04श्वख्र1099 से नगरनार मेला घूमने आया था। बाइक को पंचायत भवन के पास खड़ी कर वे मेला और नाचा देखने चले गए। सुबह करीब 6 बजे लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली।एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि उसने उक्त बाइक को सरोज नेताम चलाते हुए देखा था, जिसके पीछे एक अन्य युवक बैठा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के निर्देशन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने ग्राम चोकावाड़ा में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरोज नेताम (26 वर्ष) पिता रामदास नेताम तथा महेन्द्र गोयल (22 वर्ष) पिता फानु गोयल, दोनों निवासी ग्राम चोकावाड़ा, थाना नगरनार, जिला बस्तर के रूप में हुई है।पूछताछ में आरोपियों ने मास्टर चाबी से बाइक का लॉक खोलकर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये, तथा मास्टर चाबी बरामद कर जब्त कर ली है। दोनों आरोपियों को 4 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय जगदलपुर में पेश किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक संतोष सिंह, उप निरीक्षक सतीश यदुराज, सहायक उप निरीक्षक सतीश तिवारी तथा प्रधान आरक्षक रमेश पासवान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# मरीन ड्राइव पर गूंजी आत्मानंद शिक्षकों की आवाज, साथियों को दी श्रद्धांजलि; मांगे पूरी न होने पर 'कलम बंद' हड़ताल की चेतावनी

## मोदी की गारंटी में खुद को ठगा महसूस कर रहे आत्मानंद शिक्षक;

कांकेर। कांकेर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के संविदा शिक्षकों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे इन शिक्षकों ने आज कांकेर के मरीन ड्राइव में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च न केवल प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करने के लिए था, बल्कि उन दिवंगत साथियों को याद करने के लिए भी था जिन्होंने सेवा के दौरान अपनी जान गंवा दी।

**भावपूर्ण श्रद्धांजलि: नम आंखों से याद किए गए साथी-** इस दौरान 'छ.ग. सेजेस टीचर्स एंड एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन' के बैनर तले शिक्षकों ने स्व. आशुतोष देवांगन सर, स्व. कौशल सर और स्व. आयुषी धावरे मैम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि ये साथी हमारे परिवार का हिस्सा थे। शिक्षकों ने कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन धारण किया और शासन-प्रशासन से उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति दिखाने की मांग की।-मोदी की गारंटी- और अधूरे वादे: शिक्षकों का कहना है कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के दौरान उन्हें -मोदी की गारंटी- के तहत भविष्य की सुरक्षा का भरोसा दिया गया था। विधानसभा सत्र में बृजमोहन अग्रवाल द्वारा घोषणा के बावजूद आज तक आत्मानंद शिक्षकों को शिक्षा विभाग में मर्ज नहीं किया गया है।

**शिक्षकों की मुख्य व्यथा:** समान कार्य-समान वेतन का अभाव: पिछले 5-6 वर्षों से संविदा शिक्षक एक ही मानदेय पर कार्य करने को मजबूर हैं। सुरक्षा और बीमा का शून्य प्रावधान: सड़क दुर्घटनाओं या अन्य हादसों में जान गंवाने वाले शिक्षकों के लिए किसी भी प्रकार के बीमा या ईपीएफ (श्वक्क) की सुविधा नहीं है।

नियमितीकरण की मांग: कई शिक्षकों की उम्र की सीमा खत्म हो रही है, ऐसे में सरकार से अविलंब नियमितीकरण की मांग की गई है।

कलम बंद हड़ताल की चेतावनी: शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सरकार जल्द ही उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है, तो वे 'कलम बंद हड़ताल' और उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। शिक्षकों का तर्क है कि जहां आत्मानंद स्कूलों के बच्चे प्रदेश की टॉप-10 सूची में जगह बना रहे हैं और 100त्न परिणाम दे रहे हैं, वहीं उन बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षक खुद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।आज के इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में संविदा शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में अपनी मांगों को बुलंद किया।

# ग्राम उसरी में CFR एवं वन अधिकारों पर विशेष बैठक, युवाओं ने दिखाई सक्रिय भागीदारी



बस्तर। ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी में बीते रविवार को युवा प्रकोष्ठ बस्तर ब्लॉक एवं युवा प्रकोष्ठ उसरी के तत्वावधान में पंचायत भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सामुदायिक वन संसाधन (ष्टस्न्रक्र), वन अधिकार अधिनियम एवं अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम में बस्तर संभाग युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतु मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने वन अधिकार कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों, ग्राम सभा की भूमिका तथा ष्टस्न्रक्रके माध्यम से ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। बैठक में यह भी बताया गया कि किस प्रकार ग्रामीण अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर युवाओं ने सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए अपने विचार रखे और क्षेत्र में वन अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने क्षेत्र के विकास एवं अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। युवा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान पूरा, 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र के साथ कार्यकर्ताओं में भरा जोश

## दो दिन चला मंडल प्रशिक्षण वर्ग, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन बोले—संगठन की ताकत कार्यकर्ता





बीजापुर पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत भाजपा का दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग अटल सदन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का फोकस संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय बनाना रहा। समापन सत्र में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ कार्यकर्ताओं से राष्ट्र साधना में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी एकता है और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही पार्टी को आगे बढ़ाती है। बीजापुर में उनके पहले आगमन पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग समेत कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन का भी जोरदार स्वागत हुआ। प्रशिक्षण के दौरान टिकेश्वर जैन ने कार्यपद्धति में बदलाव और तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि समय के साथ नवाचार जरूरी है। प्रभावी संवाद और संगठनात्मक कौशल बढ़ाकर ही विचारधारा को लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सकता है। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने 'एकात्म मानव दर्शन' को संगठन की आधारशिला बताते हुए कहा कि विचार और संगठन साथ चलें, तभी मजबूती आती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आधुनिक तरीकों को अपनाने और जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने की अपील की। जिलाध्यक्ष घासीराम नाग की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न सत्रों के जरिए संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक पहुंच बढ़ाने पर चर्चा हुई। जिला संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा ने बूथ मैनेजमेंट की कार्ययोजना रखी, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा। पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने 'राष्ट्र प्रथम' को हर कार्यकर्ता का मूल मंत्र बताया। मंडल अध्यक्ष अशोक राव की अहम भूमिका में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के बाद कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और सक्रियता देखने को मिली।

## संक्षिप्त समाचार

### धारदार हथियार से दहशत फैलाने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

**बिलासपुर।** सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में लोगों को धारदार हथियार दिखाकर डराने-धमकाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फेकटपारा इलाके में पैदल पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कतियापारा मिनी स्टेडियम के पीछे एक युवक चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैला रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी सचिन लोनिया को मौके से पकड़ लिया, जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया।वहीं एक अन्य मामले में आरोपी मानस गढ़ेवाल को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने शराब के लिए पैसे नहीं देने पर एक युवक से मारपीट कर चाकू से हमला किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से धारदार चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट और बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट विस्तार को मिली रफ्तार 290.8 एकड़ सैन्य भूमि हस्तांतरित, 4सी श्रेणी उन्नयन का रास्ता साफ

**बिलासपुर।** बिलासपुर के बिलासा देवी केंवट हवाई अड्डे चकरभाठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई। जिला प्रशासन को 290.8 एकड़ सैन्य भूमि का विधिवत हस्तांतरण किया गया, जिससे एयरपोर्ट विस्तार और 4सी श्रेणी उन्नयन का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया। शहर के बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट विस्तार प्रोजेक्ट को आज निर्णायक गति मिली, जब भारतीय सेना और रक्षा संपदा कार्यालय (डीईओ) जबलपुर के अधिकारियों द्वारा 290.8 एकड़ भूमि का औपचारिक हस्तांतरण जिला प्रशासन को किया गया। यह प्रक्रिया कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुई।भूमि हस्तांतरण के दौरान सैन्य अधिकारियों एवं डीईओ जबलपुर के प्रतिनिधियों ने स्वामित्व संबंधी आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर भूमि को प्रशासन को सौंपा। इस महत्वपूर्ण कदम के साथ अब एयरपोर्ट के लिए उपलब्ध कुल भूमि 646.8 एकड़ हो गई है, जो इसके व्यापक विस्तार के लिए पर्याप्त मानी जा रही है। इस अतिरिक्त भूमि के मिलने से रनवे विस्तार और एयरपोर्ट को 4सी श्रेणी में अपग्रेड करने की दिशा में आ रही तकनीकी अड़चनें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। 4सी श्रेणी का उन्नयन होने से बड़े विमानों की आवाजाही संभव होगी, जिससे बिलासपुर को देश के प्रमुख शहरों के साथ बेहतर हवाई कनेक्टिविटी मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर भारतीय सेना के कर्नल ए. मजूमदार, कर्नल दिनेश पट्टाभि, लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज सिंह, रक्षा संपदा अधिकारी (डीईओ) जबलपुर के मोहम्मद शाद आलम तथा एयरपोर्ट डायरेक्टर एन. वीरेन सिंह, एडीएम ज्योति पटेल, एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### कोनी मे बर्ड फ्लू को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट, जांच के लिए जल्द ही पहुचेगी केंद्रीय टीम

**बिलासपुर।** बिलासपुर के कोनी क्षेत्र में बर्ड फ्लू की आशंका को लेकर केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र से एक विशेष टीम जल्द ही बिलासपुर पहुंचेगी। इस टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र और एम्स के विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। जो मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लेंगे और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संदिग्ध स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब तक 17 लोगों के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं।

# विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सिम्स में जेंडर फॉर हेल्थ विषय पर आयोजन, 100 से अधिक छात्रों ने लिया भाग.....

**बिलासपुर।** विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सिम्स चिकित्सालय, बिलासपुर में जेंडर फॉर हेल्थ थीम पर एक व्यापक एवं जागरूकता से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जेंडर समानता के महत्व को रेखांकित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्विज, पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता एवं समाज में जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपने विचार रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने यह संदेश दिया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी वर्गों की समान भागीदारी आवश्यक है। यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम जेंडर फॉर हेल्थ के अनुरूप किया गया। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में देशभर के सैकड़ों मेडिकल कॉलेजों में चल रही समान गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई, जिससे प्रतिभागियों को व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया एवं उनके प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञों ने छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सिम्स चिकित्सालय के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. भूपेंद्र कश्यप की विशेष उपस्थिति रही। इसके साथ ही डॉ. हेमलता ठाकुर, डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. अर्चना सिंह डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ. सचिन पांडे एवं डॉ. विवेक शर्मा सहित संस्थान के अन्य वरिष्ठ चिकित्सक, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

### गिरते भू-जल स्तर पर सख्ती : जिले में नए नलकूप खनन पर प्रतिबंध

**बिलासपुर।** जिले में गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नए नलकूप एवं ट्यूबवेल खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नए नलकूप/ट्यूबवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह निर्णय लिया गया है, जिसमें बताया गया है कि भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इस स्थिति को नियंत्रित करने तथा पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-3 के तहत यह आदेश जारी किया गया है।आदेश के तहत बिलासपुर जिले के विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर एवं कोटा को 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक जलाभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है।

# जिला स्तरीय एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए लाइफस्किल प्रशिक्षण आयोजित.....

**बिलासपुर।** जिले में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एक अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। यह प्रशिक्षण न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि प्रतिभागियों के लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव के रूप में उभरा। प्रशिक्षण के अंतर्गत लाइफ स्किल मॉड्यूल पर विशेष सत्र का संचालन जिला समन्वयक एनीरोज टोडर द्वारा अत्यंत प्रभावी ढंग से किया गया। सत्र में संचार कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, भावनात्मक संतुलन तथा विशेष रूप से तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को व्यावहारिक, सहभागी और अनुभवात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों ने न केवल इन विषयों को समझा, बल्कि उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में भी स्पष्ट दृष्टिकोण प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेयी एवं जिला अधिकारी मनोज सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके प्रेरणादायी उद्बोधन ने प्रतिभागियों में नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार किया, साथ ही जीवन कौशल शिक्षा के महत्व को और अधिक सशक्त रूप से स्थापित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया और इसे अत्यधिक उपयोगी एवं प्रभावकारी बताया गया। इस पहल ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों की क्षमता को सुदृढ़ करते हुए उन्हें जीवन कौशल शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सशक्त बनाया, जिससे भविष्य में विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित होगा।

# गिरते भूजल स्तर पर सख्ती जिले में नए नलकूप खनन पर प्रतिबंध

■ पेयजल संकट से निपटने बड़ा फैसला, 30 जून तक नलकूप खनन पर रोक

**बिलासपुर।** जिले में गिरते भू-जल स्तर और संभावित पेयजल संकट को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नए नलकूप एवं ट्यूबवेल खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नए नए नलकूप खनन नहीं कर सकेंगे। हालांकि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं नगर पंचायतों जैसी शासकीय एजेंसियों को केवल पेयजल आपूर्ति हेतु आवश्यकता अनुसार नलकूप खनन की अनुमति दी गई है। इसके लिए उन्हें पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन संबंधित कार्यों की जानकारी अधिकृत अधिकारियों को देना अनिवार्य होगा। जन सुविधा को ध्यान में रखते हुए अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में नलकूप खनन की अनुमति प्रदान करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिलासपुर, बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर एवं कोटा को अधिकृत किया गया है। ये अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अनुमति देने की प्रक्रिया जारी आदेश के अनुसार यह प्रतिबंध 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नए नलकूप/ट्यूबवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह निर्णय लिया गया है, जिसमें बताया गया है कि भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इस स्थिति को नियंत्रित करने तथा पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-3 के तहत यह आदेश जारी किया गया है।आदेश के तहत बिलासपुर जिले के विकासखंड बिल्हा, मस्तूरी, तखतपुर एवं कोटा को 6 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक जलाभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इस अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना कोई भी व्यक्ति या संस्था एवं नगरीय क्षेत्रों में नए नए नलकूप खनन नहीं कर सुनिश्चित करेंगे।

# बिलासपुर झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथी लाइन परियोजना पर किया जा रहा है कार्य

**बिलासपुर।** हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुरझारसुगुड़ा सेक्शन में चौथीलाइन निर्माण का कार्य किया जा रहा है । इस कड़ी में बिलासपुर मंडल के जांजगीर-नैला स्टेशन में चौथी लाइन कनेक्टिविटी एवं ऑटो सिग्नलिंग कार्य हेतु प्रीनॉन /नॉनइंटरलॉकिंग का कार्य किया जायेगा, जिसके फलस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा, विस्तृत जानकारी इस प्रकार है :-रद्द होने वाली गाडियां:-दिनांक 16 से 27 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर व रायगढ़ से चलने वाली 68738/68737 बिलासपुर रायगढ़-बिलासपुर मेमू रद्द रहेगी । दिनांक 16 से 27 अप्रैल 2026 तक रायगढ़ से चलने वाली 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 15 से 26 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर से चलने वाली 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। दिनांक 15 से 26 अप्रैल 2026 तक रायपुर से चलने वाली 68746 रायपुर गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 16 से 27 अप्रैल 2026 तक गेवरा रोड से चलने वाली 68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 15 से 26 अप्रैल 2026 तक रायपुर से चलने वाली 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 16 से 27 अप्रैल 2026 तक कोरबा से चलने वाली 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 16 से 27 अप्रैल 2026 तक बिलासपुर व गेवरा रोड से चलने वाली 68734/68733 बिलासपुर-गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

# नई टीम से जगी उम्मीद.....रिवर व्यू कॉलोनी में अब समस्याओं के समाधान की शुरुआत

**बिलासपुर।** बिलासपुर के कोनी स्थित रिवर व्यू कॉलोनी के रहवासी लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे थे। कॉलोनी में पानी और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाएं लगातार बाधित थीं। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर रहवासियों में लंबे समय से नाराजगी बनी हुई थी। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी के पूर्व सचिव द्वारा मूलभूत सुविधाओं की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। उनका कहना था कि बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया जिससे हालात और बिगड़ते गए। रहवासियों ने यह भी बताया कि कॉलोनी का प्रमुख गार्डन जहां बच्चे खेलते थे उसे भी बंद कर दिया गया है। इसके कारण बच्चों को मजबूरी में सड़कों पर खेलना पड़ रहा है जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पानी की समस्या भी लगातार बनी हुई है। इन सभी समस्याओं को देखते हुए कॉलोनीवासियों ने सहायक पंजीयक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पूर्व चुनाव को निरस्त कर दिया गया और पुराने पदाधिकारियों को अवैध घोषित किया गया। जिसके बाद नई चुनाव प्रक्रिया शुरू कराई गई। नई चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन पर्यवेक्षक रामगोपाल तिवारी और निर्वाचन अधिकारी तरुण साहू की मौजूदगी में संपन्न हुई। चुनाव में सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध चयन किया गया। इसमें अध्यक्ष के रूप में बद्री प्रसाद चंद्रा, उपाध्यक्ष सरोज सिंह, सचिव श्रीकांत सिंह ठाकुर, संयुक्त सचिव चंद्रकुमार साहू और कोषाध्यक्ष सुरेश यादव को चुना गया। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में समस सिंह गोंड और गिरीश कुमार सक्सेना का चयन किया गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने कॉलोनीवासियों को भरोसा दिलाया है कि अब मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी, बिजली और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, जिससे कॉलोनी के रहवासियों को जल्द राहत मिल सके।

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सिविल इंजीनियरों ने बनाए नए पुल, दूर की बाधाएँ और बढ़ाई रफ्तार-वित्तीय वर्ष 25-26 की उपलब्धियां

**बिलासपुर।** रेलवे नेटवर्क की मजबूती उसकी पटरियों, पुलों और आधारभूत संरचना पर निर्भर करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने व्यापक स्तर पर अनुरक्षण, निर्माण एवं आधुनिकीकरण कार्य करते हुए न केवल भौतिक ढांचे को सुदृढ़ किया, बल्कि यात्रियों एवं आम नागरिकों के जीवन को भी अधिक सुरक्षित और सुगम बनाया है। यह उपलब्धियाँ रेलवे के सतत विकास और जनसेवा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। इस वर्ष ट्रैक नवीनीकरण कार्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कुल 348 ट्रैक किलोमीटर का प्राथमिक रेल नवीनीकरण किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25त्न अधिक है। इसके साथ ही 271 किमी स्लीपर नवीनीकरण (21त्न वृद्धि) किया गया। इसके साथ ही ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार से ट्रेन संचालन अधिक विश्वसनीय हुआ है, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव के साथ अपने गंतव्य तक पहुंच में सुविधा मिल रही है। गति सुधार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। 192.36 ट्रैक किलोमीटर पर सेक्शनल स्पीड को बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा किया गया तथा 6 स्थानों पर लूप लाइन स्पीड को 30 किलोमीटर प्रति घंटा तक उन्नत किया गया। इन सुधारों का सीधा लाभ यात्रियों को मिला है। ट्रेनों की गति बढ़ने से यात्रा का कुल समय कम हुआ है । वहीं लूप लाइनों की गति बढ़ने से ट्रेनों के ठहराव और क्रॉसिंग में लगने वाला समय कम हुआ है, जिससे पूरे नेटवर्क की दक्षता में वृद्धि हुई है और ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुचारु बनी है। संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष 34 मानवयुक्त समपार फाटकों को समाप्त किया गया । इसके लिए 18 रोड ओवर ब्रिज तथा 27 रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया। इन संरचनात्मक सुधारों ने न केवल रेलवे संरक्षा को नई ऊंचाई दी है, बल्कि आम नागरिकों के दैनिक जीवन को भी आसान बनाया है। अब सड़क उपयोगकर्ताओं को फाटक बंद होने पर प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती, जिससे समय और ईंधन की बचत होती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे समपार फाटकों पर संभावित दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी के साथ जन-जीवन अधिक सुरक्षित हुआ है। यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में भी व्यापक सुधार किए गए। इस

वर्ष 14 नए लिफ्ट एवं 12 एस्केलेटर लगाए गए । इसके अलावा 12 नए फुट ओवर ब्रिज बनाए गए, जिनमें से 4 की चौड़ाई 12 मीटर है। 9 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म ऊँचाई बढ़ाई गई तथा 22 स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कार्य पूर्ण किए गए। इन कार्यों ने रेलवे स्टेशनों को अधिक आधुनिक, सुलभ और यात्री-अनुकूल बनाया है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और महिलाओं के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर ने आवागमन को अत्यंत सरल बना दिया है। चौड़े फुट ओवर ब्रिज से भीड़ का दबाव कम हुआ है और यात्रियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित हुई है। ऊँचे प्लेटफॉर्म से ट्रेन में चढ़ना-उतरना सहज हुआ है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना भी घटी है। विकसित स्टेशन यात्रियों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आरामदायक वातावरण प्रदान कर रहे हैं। इन सभी उपलब्धियों के माध्यम से सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए एक मजबूत और भविष्य उन्मुख आधार तैयार किया है। यह प्रयास न केवल वर्तमान में यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं, बल्कि आने वाले वर्षों में तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय रेल यात्रा के नए मानक भी स्थापित करेंगे।

# राजस्व शिविरों का जारी है सिलसिला

■ जिले के 42 गांवों में कल लगेंगे राजस्व शिविर

**बिलासपुर।** राजस्व संबंधी लंबित मामलों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिले में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम चरण में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलने वाले पखवाड़े के तहत प्रशासन द्वारा आमजन और किसानों की राजस्व संबंधी समस्याओं को सीधे उनके गांवों में पहुंचकर हल किया जा रहा है। इसी क्रम में 7 अप्रैल को बिलासपुर तहसील के ग्राम खैरा (ल.), उरतुम एवं कुदुरण्ड में विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहां मौके पर ही शिकायतों का समाधान किया जाएगा। बेलतरा तहसील के ग्राम कोरबो, बसहा में एवं मस्तुरी तहसील के ग्राम मस्तुरी एवं किरारी में भी शिविर लगाया जाएगा। सोपत तहसील अंतर्गत सोंठी, बिटकुला में, पचपेड़ी तहसील के कोकड़ी, बलसो, बोहारडीह में, तखतपुर तहसील के जरौंधा, नगोई, कंचनपुर, विजयपुर में, सकरी तहसील के ग्राम सैदा, पांड, अमेरी, हल्फ एवं बिल्हा तहसील के ग्राम केशला, गुमा परसदा, अमेरी अकबरी, दगौरी, करही में शिविर लगाकर राजस्व मामलों का निराकरण किया जाएगा। इसी प्रकार बोदरी के सारधा, कोटा तहसील के ग्राम पटैता, नेवसा, शिवतराई, सरईपाली में, बेलगहना के टेंगनमाड़ा, छतौना एवं रतनपुर तहसील के ग्राम पुहु, कुम्हड़खोल, लमनाझार, रिंगवार, पीपरपारा, जोगीपुर, छेरकाबांधा एवं खरगहनी में भी राजस्व अधिकारियों द्वारा ग्रामीण किसानों के राजस्व से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा। राजस्व पखवाड़ा का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है।

# घर में कैसे और किस दिशा में स्थापित करें धातु का कछुआ?

हिंदू धर्म, वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में कछुआ सुख, शांति और अपार समृद्धि का प्रतीक बताया जाता है। धार्मिक मान्यताओं और पौराणिक कथाओं के अनुसार, जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु ने समुद्र मंथन के दौरान 'कच्छप' (कछुआ) अवतार लिया था। शास्त्रों में माना गया है कि कछुआ मां लक्ष्मी का प्रतिनिधि है। यही कारण है कि घर या ऑफिस में कछुआ रखने से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हालांकि, धातु के कछुए का लाभ सही दिशा और तरीके से रखने पर ही प्राप्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि घर में धातु के कछुए को किस दिशा में रखना चाहिए और इससे संबंधित विशेष नियम क्या है?

## घर में कैसे स्थापित करें धातु का कछुआ?

फेंगशुई के अनुसार, पीतल या अष्टधातु का कछुआ घर में रखना है, तो उसके नीचे जल होना बहुत आवश्यक है। ऐसा इसलिए क्योंकि कछुआ जल में रहने वाला जीव है। ऐसे में धातु के कछुए को रखने से पहले किसी बर्तन में पानी रखें। घर के मंदिर में धातु का कछुआ रखें। इसको लीविंग रूम में भी रखा जा सकता है। इस जगहों पर रखा धातु का कछुआ सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ता है। साथ ही घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

## किस दिशा में रखें धातु का कछुआ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर और मां लक्ष्मी से जुड़ी मानी गई है। इस दिशा में कछुआ रखने से घर में धन का आगमन और प्रवाह बढ़ता है। बैंक बैलेंस बढ़ता है। घर में सही दिशा में कछुआ रखने से शत्रुओं से भी मुक्ति मिलती है। नौकरी में प्रमोशन पाने और कारोबार में हो रहे घाटे को रोकने के लिए पीतल का कछुआ वरदान साबित होता है। ऑफिस में पीतल का कछुआ रखने से एकाग्रता बढ़ती है। कार्यों में आने वाली बाधाएं समाप्त होती हैं।

# सुबह उठकर भूल से भी न करें ये 5 गलतियां

क्या आपकी तरक्की रुक-रुक कर हो रही है, जबकि आप पूरी मेहनत करते हैं? हो सकता है इसकी वजह आपकी सुबह की कुछ आदतें हों। वास्तु शास्त्र के अनुसार दिन की शुरुआत जिस ऊर्जा के साथ होती है, वही पूरे दिन के परिणाम तय करती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर सुबह की शुरुआत सही तरीके से की जाए, तो जीवन में सकारात्मकता, सफलता और धन की वृद्धि संभव है। वहीं, सुबह उठते ही गईं जा रही छोटी-छोटी गलतियां भी आपके बड़ी तरक्की में बाधा बन सकती हैं।

### नकारात्मक सोच:

सुबह उठते ही मन में क्या चल रहा है, यह बहुत मायने रखता है। अगर आप दिन की शुरुआत तनाव, गुस्से या शिकायतों से करते हैं, तो यह नकारात्मक ऊर्जा पूरे दिन बनी रहती है। वास्तु के अनुसार सुबह उठते ही भगवान का स्मरण करें और मन में कृतज्ञता का भाव रखें। इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बनी रहती है।

### गुस्से में उठना:

वास्तु शास्त्र में धरती को माता माना गया है। ऐसे में बिस्तर से उतरते समय जोर से पैर पटकना या गुस्से में उठना अशुभ माना जाता है। यह घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और आर्थिक समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए हमेशा शांति और विनम्रता के साथ दिन की शुरुआत करें।

### आईना देखना:

कई लोग सुबह उठते ही सबसे पहले आईने में अपना चेहरा देखते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार यह सही नहीं है। सुबह चेहरा थका और सुस्त होता है, जिसे देखने से मन में नकारात्मकता आ सकती है। इसके बजाय उठते ही अपनी हथेलियों को देखें और भगवान का ध्यान करें। यह शुभ माना जाता है।

### ब्रह्म मुहूर्त:

वास्तु के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त में उठना सबसे शुभ होता है। देर से उठने से कामों में बाधा और तरक्की में रुकावट आ सकती है। साथ ही सुबह-सुबह अपनी या किसी की परछाई देखना भी अशुभ माना गया है। इससे मानसिक तनाव और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

### सही शुरुआत कैसे करें:

सुबह उठते ही हिंसक या जंगली जानवरों की तस्वीरें देखना भी अशुभ माना जाता है। इससे गुस्सा और तनाव बढ़ सकता है। इसके बजाय सुबह के पहले 10 मिनट शांत रहें, मंत्रों का उच्चारण करें और सकारात्मक माहौल बनाएं। अगर आप इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, तो धीरे-धीरे जीवन में सफलता और खुशहाली आने लगती है।

# स्त्री की की सबसे बड़ी ताकत होती हैं ये 5 चीजें.

आचार्य चाणक्य ने महिलाओं के ऐसे गुणों के बारे में बताया है जो कि केवल महिला को मजबूत ही नहीं बनाते, बल्कि घर को भी स्वर्ग बना देते है।

### स्त्री का सबसे बड़ा गुण है धैर्य

चाणक्य नीति के अनुसार एक स्त्री की सबसे ताकत धैर्य होता है। जिस स्त्री में धैर्य है वह मुश्किल समय में भी शांत रहकर अपने व परिवार के लिए बेहतर निर्णय ले सकती है। धैर्य होने पर रिश्तों में भी स्थिरता बनी रहती है।

### प्रेम और करुणा

जिस स्त्री में प्रेम और करुणा का भाव होता है वह परिवार को जोड़कर रखती है। घर में ऐसी महिला के कदम पड़ने से ही खुशहाली व सुख-समृद्धि आती है। क्योंकि प्रेम व करुणा से भरी महिला घर के माहौल को हमेशा सकारात्मक बनाकर रखने की कोशिश करती है।

### समझदारी और मधुर वाणी

चाणक्य के अनुसार एक समझदार महिला किसी भी परिस्थिति को आसानी से संभाल सकती है। अपनी बुद्धिमानी के दम पर सही समय पर सही फैसला ले सकती है। इसके साथ ही महिला की वाणी मधुर होनी चाहिए, ऐसी महिलाएं सबका दिल जीत लेती हैं और परिवार को एकजुट करके रखती हैं।

### त्याग और समर्पण

आचार्य चाणक्य का कहना है कि जिस महिला में त्याग और समर्पण की भावना होती है वह घर को स्वर्ग बना देती है। ऐसी महिलाएं अपने सपनों का त्याग करके पूरी तरह परिवार के लिए समर्पित होती हैं।

### सहनशीलता

चाणक्य नीति के अनुसार एक महिला में सहनशीलता का गुण बेहद ही महत्वपूर्ण होता है। जिस महिला में सहनशक्ति होती है वह कठोर परिस्थिति का सामना असानी से कर सकती है और परिवार के लिए शांति व संतुलन बनाकर रखती है।

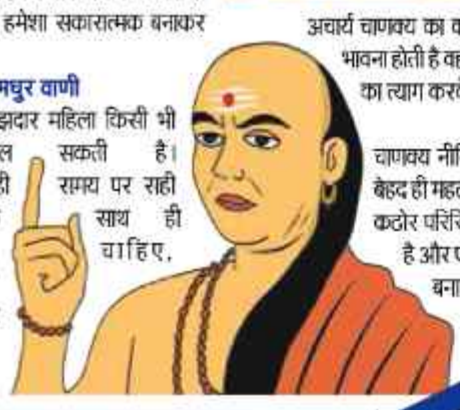

# सही मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी

हम में से कई लोग सुबह उठकर ढेर सारा पानी पीते हैं, हालांकि ये एक हेल्दी हैबिट है, लेकिन इसे सही मात्रा में पीना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कितनी मात्रा में पानी पीना सही है।

## ढ़ेर सारा पानी पीना हो सकता है हानिकारक

अक्सर हेल्थ एक्टसर्ट्स सुबह उठकर पानी पीने की सलाह देते हैं, साथ ही साथ सेलिब्रिटीज भी इसे पीने की सलाह देते हैं। कुछ लोग तांबे के बर्तन में, तो कुछ लोग चांदी के बर्तन में ढेर सारा पानी पीने की सलाह देते हैं, लेकिन क्या सुबह उठते ही ढेर सारा पानी पी लेना सही है? पानी पीने के लाभ तो होते हैं, लेकिन इस तरीके से सुबह के वक्त ढेर सारा पानी पी लिया जाता है, वह सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

## हो सकती है कब्ज की परेशानी

खाली पेट ढेर सारा पानी पीने से पाचन शक्ति पर असर पड़ता है। सुबह के वक्त पावन अग्नि मंद होती है और उसे जागृत करने के बजाय ढेर सारा पानी पीकर मंद कर दिया जाता है। फिर नाश्ते में लिया गया आहार पचने की बजाय पेट में सड़ने लगता है। दूसरा खाना न पच पाने की वजह से पेट में आम (टॉक्सिन) की समस्या बढ़ने लगती है। पोषण शरीर को मिल नहीं पाता और पेट में कब्ज की परेशानी होने लगती है।

## शरीर पर अधिक दबाव-

तीसरी सबसे बड़ी परेशानी सुबह उठकर ज्यादा पानी पीने से शरीर पर अत्याधिक दबाव पड़ता है। इससे पेट में भारीपन की समस्या रहती है और भूख में भी कमी होती है। बहुत सारे लोगों को खाली पेट ज्यादा पानी पीने की वजह से दर्द की शिकायत भी रहती है।

## बहुत सारा पानी पीने से बचें-

अब सवाल है कि क्या करें। आयुर्वेद में अपनी प्रकृति के अनुसार पानी पीने की सलाह दी जाती है और पानी भी थोड़ी मात्रा में ही लेना चाहिए, जितनी प्यास लगे उतना ही गुनगुना पानी ले। सुबह-सुबह ही 1 लीटर पानी पीने की कोशिश न करें, क्योंकि यह भारीपन और उल्टी की वजह बन सकता है। जब प्यास लगे, तभी पानी पीए। 2 लीटर के चक्कर में एक साथ बहुत सारा पानी पीने से बचें।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - आज का दिन खुशियां लेकर आया है। सकारात्मक सोच से आपकी रचनात्मक प्रतिभा निखरेगी और समाज में सम्मान बढ़ेगा। घर की मरम्मत में समय बीत सकता है। शाम का समय भाई-बहनों के साथ हंसी-मजाक में बीतेगा। जीवनसाथी से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

**वृषभ राशि** - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी परफॉरमेंस की तारीफ होगी। बड़े लक्ष्यों को पूरा करने का रास्ता साफ होगा। पिता द्वारा दी गई व्यापारिक जिम्मेदारियों को आप बखूबी निभाएंगे। परिवार में आपके व्यवहार की सराहना होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

**मिथुन राशि** - बेहतरीन दिन है। पूरा ध्यान कार्य में सुधार पर रहेगा। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। नया काम शुरू करने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। धार्मिक कार्यों और आध्यात्म की ओर रुझान बढ़ेगा।

**कर्क राशि** - आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। दूसरों पर भरोसा करने से पहले उनके बारे में पूरी जानकारी जुटा लें। पिता के सहयोग से बिजनेस में मजबूती आएगी। घर में कोई खोई हुई महत्वपूर्ण वस्तु वापस मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न होगा। बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें।

**सिंह राशि** - आज का दिन फायदेमंद साबित होगा। पहले किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। ऑफिस में अपनी जिम्मेदारी समझदारी से निभाएंगे। प्रॉपर्टी डीलर के काम में तेजी आएगी और रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

**कन्या राशि** - खुशियों भरा दिन है। बच्चों को करियर के मामले में बड़ी सफलता मिल सकती है। युवाओं को नई नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को पुराने कार्यों के लिए सम्मान मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी के योग हैं।

**तुला राशि**- बढ़िया दिन रहने वाला है। करियर को नई दिशा देने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। आपकी छवि समाज में निखरेगी। संतान की सफलता से घर में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। रुका हुआ काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी और स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा।

**वृश्चिक राशि** - आज का दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाना आपके लिए हितकारी होगा। यात्रा सुखद रहेगी और छात्रों को शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

**धनु राशि**- बेहतर दिन है। ऑफिस में सहकर्मी आपके विचारों से प्रभावित होंगे। दूसरों के काम में दखल देने से बचें। नई योजनाओं पर काम शुरू करने का सही समय है। प्रभावशाली लोगों के साथ से कठिन काम भी आसान हो जाएंगे और पैसों की चिंता दूर होगी।

**मकर राशि** - शानदार दिन रहेगा। अचानक हुए धन लाभ से मनपसंद खरीदारी करेंगे। खुद में सुधार करने और गलत संगति से बचने का संकल्प लेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिलेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और पुराने क्लाइंट से लाभ होगा।

**कुंभ राशि**- आज का दिन सामान्य रहेगा। रुके हुए काम पूरे होने से शांति मिलेगी। रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। अहंकार से बचें और अपनी योजनाओं को पक्का करें। भाई-बहनों के बीच अनबन खत्म होगी और रिश्ते मजबूत बनेंगे। बच्चों को समय दें।

**मीन राशि**- नई उमंग वाला दिन है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और खरीदारी के योग हैं। छात्रों के लिए समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। ऑफिस में शत्रुओं पर आपकी योजनाओं का गहरा प्रभाव पड़ेगा। जीवन की परेशानियां जल्द ही दूर होंगी।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

# पसीना बहाना क्यों है सेहत के लिए जरूरी?

हर इंसान के शरीर में एक बहुत ही आसान लेकिन बहुत जरूरी काम चलता रहता है, जिसे हम पसीना आना कहते हैं। पसीना आना हमारे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। इससे शरीर ठीक से काम करता रहता है। आज हम डॉ। सुनील रत्ना (सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा विभाग, एनआईआईएमएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, ग्रेटर नोएडा) आसान शब्दों में समझेंगे कि दिन में कितना पसीना आना चाहिए, पसीना आना क्यों जरूरी है और पसीना आने से किन बीमारियों में आराम मिलता है ताकि यह बात हर कोई आसानी से समझ सके।

## पसीना आता क्यों है?

जब हमारा शरीर ज़्यादा गरम हो जाता है या हम मेहनत का काम करते हैं, तब शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीना निकालता है। पसीना जब हवा में सूखता है, तो शरीर की गर्मी बाहर निकल जाती है और शरीर ठंडा महसूस करता है। इसलिए पसीना आना शरीर का कुदरती तरीका है, जिससे शरीर ज़्यादा गरम होने से बचता है और सही तरह से काम करता रहता है।

## दिनभर में कितना पसीना बहना चाहिए?

हर इंसान के शरीर से रोज़ थोड़ा-बहुत पसीना आना अच्छा होता है। इससे पता चलता है कि शरीर ठीक से काम कर रहा है और शरीर की गर्मी संतुलन में है अगर पूरे दिन पसीना न आए, तो घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन जब हम थोड़ा चलते-फिरते हैं या कोई काम करते हैं, तो पसीना आना सामान्य बात है अगर आप रोज 30 से 60 मिनट तक हल्का या थोड़ा तेज काम करते हैं, जैसे चलना, घर या खेत का काम तो पसीना आना स्वाभाविक है। बहुत ज़्यादा पसीना आना भी ठीक नहीं होता, क्योंकि इससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसलिए जितना पसीना आए, उतना ही पानी और तरल चीजें पीना भी जरूरी है ताकि शरीर स्वस्थ बना रहे।

## पसीना बहने के मुख्य फायदे-

1. शरीर का तापमान balanced रहता है-
जब सूरज में काम करते हैं या मेहनत करते हैं, तो शरीर गर्म हो जाता है। इस गर्मी को बाहर निकालने में पसीना मदद करता है अगर पसीना नहीं निकलेगा, तो शरीर overheating का शिकार हो सकता है।

2. त्वचा स्वस्थ और साफ रहती है-
पसीना बहने से हमारी त्वचा की अंदर जमा गंदगी बाहर आती है। छोटे-छोटे pores खुलते हैं और सफाई होती है। इससे त्वचा पर दाने और झुर्रियां कम हो सकती हैं।

3. शरीर से शरीर के हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं-
पसीने के साथ अक्सर शरीर के भीतर जमा कुछ टॉक्सिन भी बाहर निकलते हैं, जो शरीर के लिए अच्छा है।

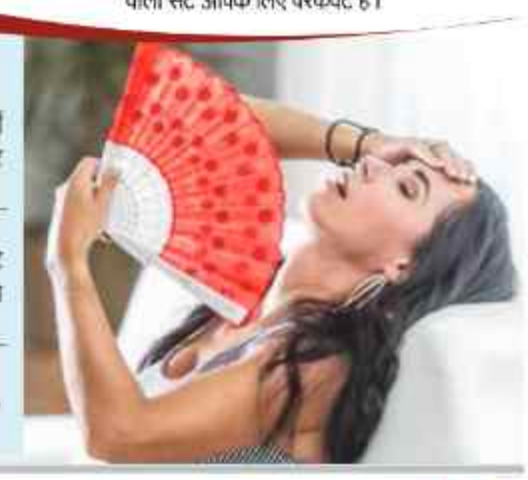

# हाथों की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगे ये ब्राइडल चूड़ा सेट

आजकल ब्राइडल चूड़ा में कई वैराइटीज आने लगती हैं। हेवी से के कर लाइटवेट तक, ब्राइड्स के पास अपनी पसंद के मुताबिक कई ऑप्शन होते हैं। आज हम आपके लिए ब्राइडल चूड़ा के कुछ फैंसी डिजाइन ले कर आए है, जो इस सीजन ट्रेंड में है।

## ब्राइडल चूड़ा के फैंसी डिजाइन

दुल्हन के लुक में चूड़ा एक बेहद खास जगह रखता है। खासतौर से नॉर्थ इंडियन ब्राइड्स का तो लुक ही बिना चूड़ा पहने कंप्लीट ही नहीं होता। आजकल ब्राइडल चूड़ा में कई वैराइटीज आने लगती है। हेवी से के कर लाइटवेट तक, ब्राइड्स के पास अपनी पसंद के मुताबिक कई ऑप्शन होते हैं। आज हम आपके लिए ब्राइडल चूड़ा के कुछ फैंसी डिजाइन ले कर आए है, जो इस सीजन ट्रेंड मे है। इन्हे सिर्फ ब्राइडल आउटफिट के साथ ही नहीं बल्कि बाद में भी आप स्टाइल कर सकती हैं। बहुत ही प्यारा लुक आता है।

### स्टोन वर्क वाला चूड़ा सेट

आजकल की ब्राइड्स स्टोन वर्क वाला चूड़ा सेट काफी पसंद कर रही हैं।ये हाथों में बहुत ज्यादा सुंदर लगता है और कलर कॉम्बिनेशन भी जबरदस्त आता है। ब्राइडल लहंगे के साथ तो ये अच्छा लगता ही है, बाकी के फंक्शन में भी साड़ी लहंगे या सूट के साथ बेहद ही प्यारा लुक देता है।

**पर्ल डिटेलिंग वाला चूड़ा सेट :** ट्रेडिशनल आउटफिट हो या ज्वैलरी पर्ल डिटेलिंग काफी रॉयल लुक देती है। ऐसे में आप पर्ल डिटेलिंग वाला चूड़ा सेट ले सकती हैं, ये बहुत ही ज्यादा सुंदर लगता है। इसमें मिरर वर्क भी है, जो पर्ल डिटेलिंग के साथ काफी ज्यादा ब्यूटीफुल और हेवी लुक देता है।

**मिनिमल चूड़ा ट्रेंड में चल रहा:** मॉडर्न ब्राइड्स मिनिमल चूड़ा काफी पसंद कर रही हैं। ये ब्राइडल लहंगे के साथ तो अच्छे लगते ही है, साथ ही डेली वियर के लिए भी परफेक्ट रहते हैं। अगर आपके यहां भी शादी के बाद 6 महीने या सालभर तक चूड़ा पहनने का रिवाज है तो मिनिमल चूड़ा आपके लिए परफेक्ट रहेगा।

### घुंघरू और स्टोन वर्क वाला डिजाइन

कश्मीरी बैंगल्स ट्रेंड में आने के बाद से चूड़ा सेट में भी ये घुंघरू डिजाइन पॉपुलर हो रहा है। ये काफी यूनिक लगता है और देखने में बेहद ही सुंदर भी। इसमें मोटे कड़े की जगह पतले कड़े होते है, जिनमें बारीक डिटेलिंग वाला वर्क होता है। यूनिक लुक चाहती है तो ये वाला सेट आपके लिए परफेक्ट है।

# दुर्ग अधिवक्ता संघ में बड़ा उलटफेर, सत्ता परिवर्तन की लहर में नए नेतृत्व की ऐतिहासिक जीत

## पूर्व अध्यक्ष नीता जैन को हराकर रमेश शर्मा बने नए अध्यक्ष; रविशंकर सिंह लगातार पांचवीं बार जीते

प्रमाण पत्र लेते नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा

नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रमाण पत्र लेते हुए

रमेश कुमार शर्मा
नवनिर्वाचित अध्यक्ष

रविशंकर सिंह
सचिव

रविशंकर मानिकपुरी
सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव

संध्या शुक्ला
महासचिव

साकेत आर मिश्रा
(कोषाध्यक्ष)

कु. दशोदा (सांस्कृतिक एवं
क्रीड़ा सचिव महिला)

राकेश यदु
(सह सचिव)

प्रशांत कुमार जोशी
(वरिष्ठ उपाध्यक्ष)

श्रीमती पूजा मोगरी
(कनिष्ठ उपाध्यक्ष महिला)

**दुर्ग/ब्यूरो।** दुर्ग जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव परिणामों ने इस बार सबको चौंका दिया है। सत्ता परिवर्तन की लहर में नए नेतृत्व ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। अध्यक्ष पद के बेहद कड़े मुकाबले में रमेश कुमार शर्मा ने निवर्तमान (पूर्व) अध्यक्ष कु. नीता जैन को 268 मतों के बड़े अंतर से पराजित कर शानदार जीत हासिल की है। चुनाव परिणामों की घोषणा होते ही न्यायालय परिसर ÷रमेश शर्मा जिंदाबाद÷ के नारों से गूंज उठा।

रमेश शर्मा को कुल 604 वोट मिले, जबकि पूर्व अध्यक्ष कु. नीता जैन 336 वोटों पर सिमट गई। इस बड़ी जीत ने संघ में रमेश शर्मा के प्रति अधिवक्ताओं के अटूट विश्वास को साबित किया है।

सचिव पद पर रविशंकर सिंह ने इतिहास रच दिया है। वे लगातार पांचवीं बार निर्वाचित होकर रिकॉर्ड बनाने में सफल रहे। उन्हें कुल 636 वोट मिले।वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रशांत जोशी ने तीसरी बार जीत दर्ज की। उन्हें 536 वोट प्राप्त हुए, जो उनके कार्य के प्रति अधिवक्ताओं की संतुष्टि को दर्शाता है।

महिला आरक्षित पदों पर भी उम्मीदवारों ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। सह सचिव (महिला) पद पर कुमारी संध्या (716 वोट) और सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव (महिला) पद पर कु. दशोदा (759 वोट) ने पूरे चुनाव में सबसे अधिक मत प्राप्त करने का गौरव हासिल किया।

देर रात परिणामों की घोषणा के बाद अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश शर्मा और सचिव रविशंकर सिंह को कंधों पर उठा लिया। आतिशबाजी और मिठाई वितरण के साथ जीत का जश्न मनाया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि उनकी प्राथमिकता 'एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट' को लागू करवाने और युवा अधिवक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाओं के लिए संघर्ष करना होगा ।

**प्रमुख पदों पर विजयी प्रत्याशी और उन्हें मिले मत :** अध्यक्षः रमेश कुमार शर्मा (604 वोट) ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कु. नीता जैन (336 वोट) को बड़े अंतर से हराया।सचिवः रवि शंकर सिंह (636 वोट) विजयी रहे। उन्होंने विजय कुमार चौधरी (469 वोट) को मात दी।

**वरिष्ठ उपाध्यक्षः** प्रशांत कुमार जोशी (536 वोट) निर्वाचित हुए।कनिष्ठ उपाध्यक्ष (महिला): श्रीमती पूजा मोगरी (492 वोट) ने जीत दर्ज की।सह सचिव (सामान्य): राकेश यदु (661 वोट) विजयी रहे।

**सह सचिव (महिला):** कुमारी संध्या (716 वोट) को सर्वाधिक मत मिले।कोषाध्यक्षः साकेत आर. मिश्रा (529 वोट) ने जीत हासिल की।ग्रंथालय सचिवः ज्ञान प्रकाश तिवारी (586 वोट) निर्वाचित हुए।

**सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव :** रविशंकर मानिकपुरी (703 वोट) ने गुरमीत सिंह भोगल (682 वोट) को कड़े मुकाबले में हराया।सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव (महिला): कु. दशोदा (759 वोट) विजयी रहीं।

**कार्यकारिणी में इनका दबदबा :** कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निखिल महलवार, अमर जैन, राजेश नायक, केशव वर्मा और रविश सिंह राजपूत ने जीत दर्ज की। महिला कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर अनामिका गुहा और गायत्री उपाध्याय चुनी गईं।

**उत्साह का माहौल :** परिणाम घोषित होते ही न्यायालय परिसर में विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने आतिशबाजी कर और गुलाल उड़ाकर जश्न मनाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अधिवक्ताओं के हित और न्यायालयीन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य करेंगे ।

# बरसात का डर खत्म, पक्के मकान का सपना हुआ साकार

## बेदरे निवासी तामू सन्नू को मिला पीएम आवास, सरकारी योजनाओं के सहारे बदली जिंदगी

**कोंटा।** कोंटा विकासखंड के अंतर्गत पंचायत सिलगेर के आश्रित गांव बेदरे निवासी तामू सन्नू की कहानी संघर्ष से सशक्तीकरण तक की ऐसी प्रेरक मिसाल है, जो हर जरूरतमंद परिवार को उम्मीद और हिम्मत देती है। सीमित संसाधन, कठिन परिस्थितियां और रोजमर्रा की चुनौतियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने श्रम व संकल्प के दम पर परिवार के लिए बेहतर जीवन की राह बनाई। तामू सन्नू वर्षों से मजदूरी और खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते रहे। कभी काम मिलता तो कभी नहीं, लेकिन वे हर परिस्थिति में मेहनत करते रहे। उनका जीवन लंबे समय तक एक कच्चे और कमजोर मकान में बीता, जहां बारिश के दिनों में छत और

दीवारों से पानी टपकता था। परिवार को हर मौसम में डर और असुरक्षा के बीच जीना पड़ता था, पर आर्थिक कमजोरी के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए संभव नहीं था। ऐसे कठिन समय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई। योजना के तहत उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ। लेकिन उन्होंने केवल सहायता राशि पर निर्भर न रहकर मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी कर घर निर्माण में खुद भी योगदान दिया। तामू सन्नू का परिवार अपने पक्के घर में सम्मान और सुकून के साथ जीवन जी रहा है। बारिश और तूफान का डर अब बीते दिनों की बात हो गई है। साथ ही परिवार को अन्य योजनाओं का भी लाभ मिला। उनकी बहू को महतारी वंदन योजना की राशि मिल रही है और उन्हें वनाधिकार पत्र के माध्यम से जमीन का मालिकाना हक भी प्राप्त हुआ है। तामू सन्नू की यह कहानी साबित करती है कि जब सरकारी योजनाओं का लाभ मेहनत और संकल्प से जुड़ता है, तो जीवन की तस्वीर पूरी तरह बदल जाती है।

# रेल परियोजना का विरोध करने वाले किसानों की गिरफ्तारी पर भड़की कांग्रेस; ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर पहुंचे कलेक्ट्रेट प्रप्त

**दुर्ग, 06 अप्रैल।** खरसिया-नया रायपुर-परमाल कसा रेल परियोजना के सर्वे का विरोध करने पर ग्राम पुरई के चार किसानों की गिरफ्तारी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी ने पुलिस की इस कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण राकेश ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचे और एसपी से मुलाकात कर किसानों की 'निशर्त रिहाई' की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

**लोकतंत्र में आवाज दबाने का आरोप-** ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए राकेश ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेल परियोजना के नाम पर किसानों की आवाज को जबरन

दबाया जा रहा है। ग्राम पुरई में सर्वे के दौरान अपनी जायज आपत्तियां दर्ज कराने वाले किसानों को 'कार्य में बाधा' डालने के नाम पर गिरफ्तार करना पूरी तरह गलत है।

**विकास का विरोध नहीं, हक की लड़ाई-** कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि किसान विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि वे अपनी जमीन और जीविकोपार्जन के साधनों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ÷अपनी मांगों को रखना अपराध नहीं है। पुलिस की यह कार्रवाई किसानों को डराने और उनकी जमीनें छीनने का प्रयास है।÷

## दीप महोत्सव

भारतीय जनता पार्टी का सोमवार को स्थापना दिवस मनाया गया इस अवसर पर पर जिला भाजपा कार्यालय में सुबह 8:30 ध्वजारोहण एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं शाम 6 बजे दीप प्रज्वलित किया गया. इसी अवसर पर रौशनी से जगमगाता दुर्ग भाजपा कार्यालय.

# लघु धान्य रागी से समृद्धि की ओर बढ़ती शकुन बाई कुंजाम

**धमतरी।** राज्य और केन्द्र सरकार लघु धान्य जैसे रागी, कोदो, कुटकी जैसे फसलों को बढ़ावा देने किसानों विशेष अभियान चलाकर जागरूक कर रही है, इसी कड़ी में धमतरी विकासखंड के ग्राम उरपुटी की महिला कृषक शकुन बाई कुजांम लघु धान्य फसल रागी का उत्पादन कर प्रगतिशील किसानों की श्रेणी में शामिल हो गई है। गौरतलब है कि कुंजाम ने परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मेहनत, लगन और कृषि विभाग के मार्गदर्शन से सफलता की एक प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की है। शकुन बाई के पास कुल 7 एकड़ कृषि भूमि है, जो ट्यूबवेल से सिंचित है। उनके पास ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीड ड्रिल, मल्टी

क्रॉप थ्रेसर एवं रीपर जैसे आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। उनके परिवार के 5 सदस्य खेती में सक्रिय सहयोग करते हैं, जिससे कृषि कार्य व्यवस्थित ढंग से संचालित हो पाता है। शकुन बाई ने बताया कि रबी सीजन में 3 एकड़ क्षेत्र में लघु धान्य फसल रागी (छत्तीसगढ़ रागी-2) की खेती की। उन्होंने बीजोपचार के लिए बीजामृत, तथा खाद के रूप में वर्मी कम्पोस्ट, डीएपी, पीएसबी एवं केएसबी का उपयोग किया। वैज्ञानिक विधियों से की गई खेती के परिणामस्वरूप उन्हें 28.50 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। कुछ वर्ष पहले बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत रागी की खेती से उन्हें 5200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कुल 1,48,200 रुपये की आय हुई। इस उत्पादन में कुल लागत 27,000 रुपये रही, जिससे उन्हें 1,21,200 रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित आत्मा कार्यक्रम के तहत उन्हें निरंतर मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने फसल चक्र परिवर्तन और लघु धान्य फसलों की खेती को सफलतापूर्वक अपनाया। फसल कटाई के बाद वे ग्रीष्मकालीन जुताई भी करती हैं, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है। इस प्रेरक सफलता की जानकारी मिलने पर जिले के कलेक्टर अबिनाश मिश्रा स्वयं शकुन बाई के घर पहुंचे और उनकी खेती-किसानी के संबंध में बातचीत की। उन्होंने शकुन बाई की सराहना करते हुए इसे जिले के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर शकुन बाई ने अपनी बाड़ी में उगाए गए मुनगा (सहजन) को भेंट स्वरूप प्रदान किया तथा पारंपरिक पत्तल-दोना में 'माड़िया पेय' से स्वागत किया। यह ग्रामीण संस्कृति और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। शकुन बाई की यह उपलब्धि दर्शाती है कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों के साथ पारंपरिक ज्ञान का समन्वय करें, तो कम लागत में अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। उनकी सफलता न केवल उनकी आर्थिक सुदृढ़ता का आधार बनी है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी एक नई दिशा और प्रेरणा का स्रोत बनी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com